कोटद्वार, बुधवार
25 मार्च 2026
वर्षः 48
अंकः 295 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

सीएम की अध्यक्षता में आज होगी संपूर्ण कैबिनेट की पहली बैठक

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में बुधवार को कैबिनेट बैठक होने जा रही है। धामी 2.0 सरकार की यह बैठक कई मामलों में अहम है। चार साल बाद यह पहला मौका है जब मुख्यमंत्री समेत कैबिनेट के 12 के 12 सदस्य बैठक में शामिल होंगे। मालूम हो कि, मानक के अनुसार उत्तराखंड में कैबिनेट में मुख्यमंत्री समेत 12 सदस्य ही हो सकते हैं। धामी 2.0 सरकार के 23 मार्च 2022 को शपथ लेने के बाद से ही कैबिनेट का आकार पूरा नहीं था। तीन पद तब से ही खाली थे। इस बीच वर्ष 2023 में चंदनराम दास की मृत्य और वर्ष 2025 में तत्कालीन वित्त मंत्री प्रेमचंद्र अग्रवाल के इस्तीफे से रिक्त पदों की संख्या पांच तक पहुंच गई थी। अभी 21 मार्च को मुख्यमंत्री ने कैबिनेट विस्तार करते हुए पांचों रिक्त पदों पर नियुक्तियां कर दीं हैं। सूत्रों के अनुसार बुधवार की बैठक चारधाम यात्रा की व्यवस्थाओं, स्वास्थ्य, शहरी विकास, महिला सशक्तिकरण से जुड़े कुछ अहम प्रस्तावों पर मुहर लगा सकती है। शहरी विकास विभाग की डि-कंजेशन एवं लैंड रि-डेवलपमेंट पॉलिसी आने की संभावना है। (एजेंसी)

ऋषिकेश–गंगोत्री हाईवे पर हादसाः कार पर गिरा बोल्डर

नई टिहरी। ऋषिकेश–गंगोत्री हाईवे पर बगड़धार में बड़ा हादसा होने से बच गया। चलती कार के ऊपर पहाड़ी से अचानक बोल्डर जा गिरा। जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। कार सवार पति–पत्नी किसी तरह से सकुशल कार से बाहर निकले। स्थानीय लोगों ने बीआरओ की इस लापरवाही पर कड़ा आक्रोश जताया। हाईवे पर बगड़धार में इन दिनों भूस्खलन वाले स्थान पर मरम्मत का कार्य चल रहा है। बताया जा रहा है कि दोपहर दो बजे करीब जब मजदूर भोजन कर रहे थे इसी दौरान ऋषिकेश से नई टिहरी जा रही एक कार के ऊपर पहाड़ से पत्थर गिरा। कार में ई ब्लॉक नई टिहरी निवासी महेश पंवार व उनकी पत्नी सवार थी।

थानाध्यक्ष देवराज शर्मा ने बताया कि कार सवार दोनों लोगों को किसी तरह की चोटें नहीं आई है। उन्हें घबराहट के कारण बेचैनी हो रही थी। इसलिए उन्हें श्रीदेव सुमन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब हाईवे पर मरम्मत कार्य चल रहा तो बीआरओ को वहां पर ट्रैफिक रोकने के लिए कर्मचारी तैनात करने चाहिए। जिस समय कार के ऊपर पत्थर गिरा उस वक्त बीआरओ को कोई भी कर्मचारी सड़क पर नहीं था। बीआरओ के सहायक अभियंता सुरेंद्र सिंह रावत का कहना है कि सड़क सुधारीकरण का कार्य चल रहा है, लोग जल्दी बाजी में रहते है। लोग वहां बिना रुके ही वाहनों को आरपार करने में लगे रहते है।

इंदिरा हृदयेश का जीवन जनसेवा और विकास को रहा समर्पितः हरक सिंह रावत

ऋषिकेश। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्व कैबिनेट मंत्री स्व. डॉ. इंदिरा हृदयेश की 85वीं जयंती मनाई। कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने स्व. इंदिरा हृदयेश द्वारा किए गए कार्यों की जानकारियां दी। मंगलवार को अठूरवाला स्थित कांग्रेस कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें कांग्रेसियों ने स्व. डॉ. इंदिरा हृदयेश के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। पूर्व कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत ने कहा कि स्व. डॉ. इंदिरा हृदयेश ने अपना संपूर्ण जीवन जनसेवा और उत्तराखंड के विकास के लिए समर्पित किया। उनका दूरदर्शी नेतृत्व, संवेदनशील सोच और आमजन के प्रति समर्पण प्रदेश की राजनीति में हमेशा याद किया जाएगा। पूर्व कैबिनेट मंत्री शूरवीर सिंह सजवाण ने कहा कि डॉ. इंदिरा हृदयेश विकास और सुशासन की प्रतीक थीं। उन्होंने जिस निष्ठा और ईमानदारी से जनहित के कार्य किए, वे आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बने रहेंगे।

नगर कांग्रेस अध्यक्ष करतार सिंह नेगी ने कहा कि स्व. डॉ. इंदिरा हृदयेश जन–जन की अभिभावक थीं और उन्होंने हमेशा समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य किया। उनके योगदान को कांग्रेस पार्टी कभी भुला नहीं सकती। पूर्व जिला पंचायत सदस्य अश्विनी बहुगुणा ने कहा कि डॉ. इंदिरा हृदयेश का राजनीतिक जीवन बेदाग और संघर्षपूर्ण रहा।

देश के पहले इच्छामृत्यु मामले में हरीश राणा ने ली अंतिम सांस

रुला देगी एम्स की ये कहानी

नई दिल्ली ,13 साल तक कोमा के अंधेरे और असहनीय कष्ट में जीवन बिताने वाले हरीश राणा को आखिरकार इस दुनिया के दर्दों से हमेशा के लिए मुक्ति मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट की ओर से मिली ऐतिहासिक इच्छामृत्यु की अनुमति के बाद, हरीश ने मंगलवार को दिल्ली के एम्स अस्पताल में अपनी अंतिम सांस ली। यह पूरे देश में कानूनी रूप से दी गई निष्क्रिय इच्छामृत्यु का पहला और बेहद भावुक मामला बन गया है। इस घटना ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है और मेडिकल साइंस से लेकर कानूनी गलियारों तक में इसकी चर्चा हो रही है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद ऐसे थमी सांसें

लंबे समय से अपने बेटे को इस दर्दनाक स्थिति में देख रहे माता–पिता की गुहार पर सुप्रीम कोर्ट ने 11 मार्च को एक बड़ा फैसला सुनाया था। अदालत ने डॉक्टरों की कड़ी निगरानी में हरीश राणा के लिए निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी थी। इसके बाद हरीश को 14 मार्च को एम्स के आईआरसीएच के पैलिएटिव केयर वार्ड में भर्ती कराया गया। एम्स प्रशासन ने इसके

लिए विशेषज्ञों के डॉक्टरों की एक विशेष कमेटी गठित की, जिनकी देखरेख में बेहद शांतिपूर्ण तरीके से हरीश का भोजन और पानी धीरे–धीरे बंद कर दिया गया, जिसके बाद मंगलवार को उनका निधन हो गया।

2013 का वो मनहूस दिन और 13 साल का कोमा

हरीश राणा की यह दर्दनाक कहानी साल 2013 में शुरू हुई थी। उस समय हरीश चंडीगढ़ स्थित पंजाब विश्वविद्यालय में बीटेक के एक होनहार छात्र थे। एक दिन अचानक वह हॉस्टल की चौथी मंजिल की बालकनी से नीचे गिर गए, जिससे उनके सिर पर बेहद गंभीर चोटें आईं। इस भयानक हादसे के बाद हरीश सीधे कोमा में चले गए। उनके परिवार और डॉक्टरों ने उन्हें वापस लाने की हर संभव कोशिश की थी। लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ।

पुलिस कस्टडी में आरोपी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

हरिद्वार। सिडकुल थाना पुलिस की हिरासत में एक आरोपी की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। प्रारंभिक जांच में हार्ट अटैक से मौत की बात कही गई है। मृतक की पहचान 47 वर्षीय नरेश के रूप में हुई है।

बीते सोमवार को रोशनाबाद स्थित जिला एवं सत्र न्यायालय में नरेश के साथ तीन और आरोपियों को फर्जी जमानत के केस में गिरफ्तार किया गया था। मंगलवार को कोर्ट में पेशी से पहले जिला अस्पताल में उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, कोर्ट में 'सरकार बनाम रोशन लाल' केस की सुनवाई के दौरान चारों आरोपी अलग–अलग लोगों की जमानत के लिए पेश हुए। जांच में पता चला कि ये सभी पेशेवर जमानती हैं। इसके बाद पुलिस ने आरोपी उज्जवल सिंह, नरेश प्रताप बहुगुणा, कमलेश और नरेश को गिरफ्तार किया। इधर, एसएसपी नवनीत सिंह ने बताया कि इस मामले की जांच जारी है।पेशी पर ले जाते समय बिगड़ी थी तबीयतरात होने के कारण सोमवार को चारों आरोपियों को कोर्ट में पेश नहीं किया जा सका। मंगलवार को मेडिकल के लिए रोशनाबाद सीएचसी ले जाते समय नरेश की तबीयत अचानक बिगड़ी और उसने सीने में दर्द की शिकायत की। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने इलाज के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया।

बेटी की रक्षा, शिक्षा और प्रगति का संकल्प लें : धामी

मुख्यमंत्री ने सामूहिक कन्या पूजन कार्यक्रम में किया प्रतिभाग

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को प्रेमनगर, देहरादून स्थित सनातन धर्म मंदिर परिसर में आयोजित सामूहिक कन्या पूजन कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि चैत्र नवरात्र केवल आस्था का पर्व नहीं, बल्कि श्रद्धा, भक्ति एवं संस्कारों के माध्यम से शक्ति उपासना का महापर्व है। उन्होंने 1100 कन्याओं के पूजन को अत्यंत सौभाग्यपूर्ण बताते हुए आयोजन समिति की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में नारी सम्मान को सुदृढ़ करने तथा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसे मूल्यों को मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में कन्या को साक्षात देवी स्वरूप माना गया है। शास्त्रों में भी कन्याओं को अत्यंत सम्मानजनक स्थान दिया गया है। बेटियां अपने संस्कार, स्नेह और त्याग से समाज को सशक्त और समृद्ध बनाती हैं

तथा हमारी संस्कृति और परंपराओं की सशक्त वाहक हैं। उन्होंने कहा कि कन्या पूजन के इस पावन अवसर पर समाज को यह संकल्प लेना चाहिए कि प्रत्येक बेटी को शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान का अधिकार सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र एवं राज्य सरकार बेटियों के सशक्तिकरण हेतु निरंतर कार्य कर रही हैं। कहा कि सरकार द्वारा बेटियों की शिक्षा और प्रोत्साहन के लिए छात्रवृत्ति, कक्षा 9 में प्रवेश पर साइकिल वितरण,12वीं उत्तीर्ण करने पर प्रोत्साहन राशि, सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण जैसी व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवरात्र के नौ दिवस केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं हैं, बल्कि आत्मशुद्धि, सेवा, विनम्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करने का अवसर भी प्रदान करते हैं। कन्या पूजन हमारी परंपरा के साथ-साथ सेवा, करुणा और विनम्रता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे हर बेटी की रक्षा, शिक्षा और प्रगति का संकल्प लें, जिससे कन्या पूजन की भावना वास्तविक रूप से सार्थक हो सके। इस अवसर पर विधायक श्रीमती सविता कपूर, भाजपा के महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल, आपदा प्रबंधन सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष विनय रोहिला, उपाध्यक्ष छावनी परिषद देहरादून विनोद पंवार, भाजपा नेता विनय गोयल एवं अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

भारतीय रेल ने रिफॉर्म एक्सप्रेस के तहत पाँच नए सुधारों की घोषणा की

नई दिल्ली ,रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज घोषणा की कि 2026 के दौरान सुधार करने के भारतीय रेल के संकल्प के अनुरूप, पाँच नए सुधारों को स्वीकृति दी गई है। इन नए सुधारों की मंजूरी के साथ, वर्ष 2026 के लिए सुधारों की कुल संख्या नौ हो गई है। श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि वर्तमान "रिफॉर्म एक्सप्रेस" पहल के तहत, चार सुधारों की घोषणा पहले ही की जा चुकी थी और अब पाँच नए सुधार पेश किए जा रहे हैं। इन पाँच नए सुधारों में से दो माल ढुलाई से, एक निर्माण से और दो यात्रियों की सुविधा से संबंधित हैं।

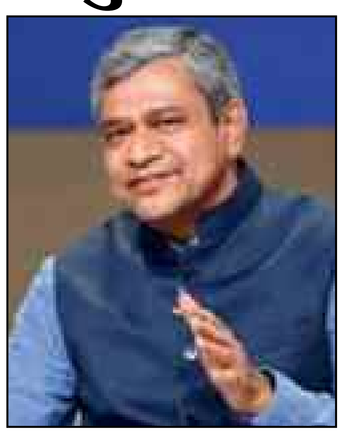

नमक के परिवहन में सुधार

पांचवां सुधार नमक के परिवहन पर केंद्रित है। इसके बारे में श्री वैष्णव ने कहा कि भारत दुनिया में नमक के सबसे बड़े उत्पादकों और निर्यातकों में से एक है। नमक का उत्पादन करने वाले तीन प्रमुख राज्य तमिलनाडु, गुजरात और राजस्थान हैं। भारत में सालाना उत्पादित होने वाले लगभग 35 मिलियन टन नमक में से, लगभग 9.2 मिलियन टन प्रति वर्ष रेल द्वारा पहुँचाया जाता है, जो महत्वपूर्ण और ऐसा अवसर है जिसका अब तक उपयोग नहीं किया गया। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि नमक के परिवहन में रेलवे की हिस्सेदारी उसके उपयोग के अनुसार अलग–अलग होती है – औद्योगिक नमक के लिए यह लगभग 25 प्रतिशत है, और मानव उपभोग के लिए इस्तेमाल होने वाले नमक के लिए यह लगभग 65 प्रतिशत है। उन्होंने यह भी कहा कि रेलवे द्वारा पहुँचाए जाने वाले कुल नमक का 62 प्रतिशत हिस्सा 1,000 से 2,500 किलोमीटर की दूरी तय करता है, जिससे यह खंड रेल परिवहन के लिए बेहद उपयुक्त बन जाता है। श्री वैष्णव ने कहा कि नमक उत्पादकों और ट्रांसपोर्टरों के साथ विस्तृत विचार–विमर्श किया गया ताकि इस क्षेत्र की चुनौतियों को समझा जा सके। इस अध्ययन में कई प्रमुख समस्याओं की पहचान की गई, जिनमें वैगनों का अनुपयुक्त डिज़ाइन, नमक के कारण वैगनों में जंग लगना, तिरपाल से ढके होने के बावजूद खुले वैगनों में पानी का रिसाव होना, और सामान की कई बार लोडिंग–अनलोडिंग (हैंडलिंग) के कारण लागत में वृद्धि और नुकसान होना शामिल हैं। इन समस्याओं को हल करने के लिए अब स्टेनलेस स्टील से बना, ऊपर से लोड होने वाला और बगल से खाली होने वाला कंटेनर सिस्टम सफलतापूर्वक विकसित किया गया है।

गैस किल्लत पर सड़क जाम, पुलिस ने लाठियां फटकार भीड़ हटाई

रुद्रपुर। शहर में गैस सिलेंडरों की किल्लत ने मंगलवार को उग्र रूप ले लिया। गाबा चौक स्थित इंडेन गैस एजेंसी और बिलासपुर मार्ग पर भारत गैस एजेंसी के बाहर सैकड़ों उपभोक्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया, जिससे यातायात ठप हो गया। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को हटाने के लिए लाठियां फटकारीं। इसके बाद लोग पीछे हटे और जाम खुल सका। लोगों का कहना है कि कई दिनों से गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं। उपभोक्ता रात 12 बजे से ही लाइन में लग रहे हैं, लेकिन घंटों इंतजार के बाद भी खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल मौके पर पहुंचे और उपभोक्ताओं से बातचीत की। इसके बाद उन्होंने अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय और प्रभारी डीएसओ मलकीत सिंह से वार्ता की। दोनों अधिकारियों ने एजेंसियों पर पहुंचकर अव्यवस्था पर नाराजगी जताई और तत्काल सुधार के निर्देश दिए। एडीएम उपाध्याय ने बताया कि उपलब्ध सिलेंडरों का वितरण बुकिंग तिथि के अनुसार किया जाएगा। भारत गैस एजेंसी पर करीब 1000 और इंडेन एजेंसी पर लगभग 510 सिलेंडर मौजूद हैं। लंबित बुकिंग वाले उपभोक्ताओं को प्राथमिकता के आधार पर आपूर्ति की जाएगी और आगे से होम डिलीवरी व्यवस्था सख्ती से लागू होगी।

अगर युद्ध जारी रहा तो गंभीर दुष्प्रभाव तय

पश्चिम एशिया संकट पर राज्यसभा में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली ,पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि मैं राज्य सरकारों से अनुरोध करना चाहता हूं कि संकट चाहे कितना बड़ा हो, देश की ग्रोथ को बनाए रखना हम सभी का दायित्व है। इसके लिए हमें हर जरूरी कदम, हर जरूरी रिफॉर्म तेजी से करते रहना होगा। ये राज्य सरकारों के पास बहुत बड़ा अवसर है। ये टीम इंडिया की भी बहुत बड़ी परीक्षा है।

पीएम मोदी ने कहा कि कोरोना काल में केंद्र और राज्यों ने टीम इंडिया बनकर कोविड मैनेजमेंट का एक बेहतरीन मॉडल सामने रखा था। अलग–अलग राजनीतिक दलों की सरकारें होने के बावजूद टेस्टिंग और वैक्सीनेशन से लेकर जरूरी चीजों की आपूर्ति टीम इंडिया के प्रयासों से ही सुनिश्चित हो पाई थी। हमें उसी भावना के साथ आगे भी

काम करना है। सभी राज्य सरकारों और केंद्र सरकार के प्रयास से देश इस गंभीर वैश्विक संकट का प्रभावी रूप से सामना कर पाएगा। ये संकट अलग प्रकार का है और इसके समाधान भी अलग प्रकार से ही तय किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें धैर्य और संयम के साथ शांत मन से हर चुनौती का मुकाबला करना है। हम देख रहे हैं कि इस युद्ध को लेकर पल–पल हालात बदल रहे हैं, इसलिए मैं देशवासियों से भी कहूंगा कि हमें हर चुनौती के लिए तैयार रहना ही होगा। इस युद्ध का गंभीर दुष्प्रभाव लंबे समय तक रहने की प्रबल आशंका है। मैं देशवासियों को भरोसा देता हूं कि सरकार सतर्क है, तत्पर है, पूरी गंभीरता से रणनीति बना रही है और हर निर्णय ले रही है। देश की जनता का हित हमारे लिए सर्वोपरि है। यही हमारी पहचान है, यही हमारी ताकत है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आने वाले समय में ये संकट हमारे देश की बड़ी परीक्षा लेने वाला है। इस परीक्षा में सफलता के लिए राज्यों का सहयोग बहुत आवश्यक है।

अनिल अंबानी के बैंक फ्रॉड केस में सुप्रीम कोर्ट का फूटा गुस्सा

सीबीआई–ईडी को लगाई कड़ी फटकार

नई दिल्ली , रिलायंस कम्युनिकेशंस के प्रमुख अनिल अंबानी से जुड़े करोड़ों रुपये के बैंक फ्रॉड मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय जांच एजेंसियों के ढीले रवैये पर बेहद सख्त रुख अपना लिया है। अदालत ने इस हाई–प्रोफाइल मामले में सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय की जांच को 'अनिच्छुक करार देते हुए गहरी नाराजगी जाहिर की है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने दोनों एजेंसियों को आपस में समन्वय बनाकर समयबद्ध तरीके से जांच पूरी करने का निर्देश दिया है। पीठ ने साफ शब्दों में कहा है कि जांच एजेंसियों की यह ढिलाई बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। अदालत ने स्पष्ट किया कि वह यह तय नहीं कर सकती कि किसे गिरफ्तार किया जाए, लेकिन एजेंसियों की जांच ऐसी पारदर्शी होनी चाहिए जो न

सिर्फ अदालत बल्कि देश की आम जनता के मन में भी पूरा भरोसा पैदा कर सके।

सुप्रीम कोर्ट की दो टूक, 'आपस में हाथ मिलाएं

अपने कड़े आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने जांच एजेंसियों को नसीहत देते हुए कहा है कि उन्हें आपस में 'जॉइन हैंड्स् (साथ मिलकर काम) करना होगा। पीठ ने निर्देश दिया है कि यह जांच पूरी तरह से निष्पक्ष, स्वतंत्र और बिना किसी पूर्वाग्रह के होनी चाहिए। इसके साथ ही, अदालत ने सभी संबंधित वित्तीय संस्थानों को भी सख्त हिदायत दी है कि वे ईडी की जांच में पूरा सहयोग करें। कोर्ट ने ईडी को यह छूट भी दी है कि अगर कोई संस्थान जांच में असहयोग करता है, तो एजेंसी सीधे अदालत को इसकी सूचना दे सकती है।

सरकार ने बताया 15 हजार करोड़ की संपत्ति हुई जब्त

इस गरमागरम सुनवाई के दौरान सरकार का पक्ष रखते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को अहम जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस मामले की तह तक जाने के लिए ईडी अधिकारियों की एक विशेष जांच टीम का गठन कर दिया गया है और अब तक चार लोगों की गिरफ्तारी भी हो चुकी है। सॉलिसिटर जनरल ने अदालत को आश्वस्त किया कि बिना ठोस आधार के किसी की गिरफ्तारी नहीं की जा सकती, लेकिन सच्चाई सामने लाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने यह भी बड़ा खुलासा किया कि जांच के दौरान अब तक करीब 15,000 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की जा चुकी हैं।

सिर्फ छोटे अधिकारियों पर कार्रवाई क्यों? प्रशांत भूषण ने उठाए बड़े सवाल

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने जांच एजेंसियों की कार्रवाई पर कई गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने दलील दी कि इतने बड़े घोटाले में अब तक सिर्फ निचले स्तर के अधिकारियों की ही गिरफ्तारी की गई है। भूषण ने अदालत को बताया कि सेबी की रिपोर्ट में फंड की हेराफेरी की पूरी योजना का खुलासा होने के बावजूद, सीबीआई की तरफ से अभी तक कोई बड़ी गिरफ्तारी क्यों नहीं की गई है।

वाराणसी में सिलेंडर से गैस लीक, मकान ढहने से दो लोगों की मौत

वाराणसी ,उत्तर प्रदेश के वाराणसी के मंडुवाडीह थाना क्षेत्र में मंगलवार को गैस सिलेंडर लीक होने के कारण एक घर में धमाका हो गया। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। कुछ घायल हुए हैं जिनका इलाज हो रहा है। एडीसीपी वरुणा जोन नीतू ने बताया कि प्रारंभिक जांच में गैस सिलेंडर से रिसाव के बाद विस्फोट होने की बात सामने आई है। घटना के समय घर में खाना बनाया जा रहा था और गैस लीक होने के कारण आग लग गई। उसके बाद अचानक धमाका हो गया, जिससे पूरा ढांचा गिर गया। सूचना मिलते ही पुलिस, फायर ब्रिगेड और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। मौके पर सिलेंडर मिला है। रेगुलेटर टूटा पड़ा था। फिलहाल पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। इलाके में एहतियातन निगरानी बढ़ा दी गई है।

महिला आरक्षण कानून

संसद में आ सकते हैं दो नए विधेयक

नई दिल्ली ,केंद्र सरकार संसद के मौजूदा बजट सत्र में महिला आरक्षण कानून (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) को लागू करने के लिए दो नए विधेयक लाने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक सरकार की योजना है कि लोकसभा और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही इस कानून को प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। इस बीच, कई विपक्षी दलों ने सरकार को पत्र लिखकर मांग की है कि महिला आरक्षण कानून के कार्यान्वयन पर चर्चा के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए। विपक्ष का कहना है कि यह बैठक मौजूदा विधानसभा चुनावों के संपन्न होने के बाद आयोजित की जाए। सूत्रों के अनुसार,

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस मुद्दे पर आम सहमति बनाने के लिए एनडीए और गैर–कांग्रेसी विपक्षी दलों के सदन के नेताओं के साथ अलग–अलग बैठकें की। ताकि आम सहमति बन सके। यदि सहमति बनती है, तो ये दो विधेयक इसी सप्ताह संसद में पेश किए जा सकते हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, लोकसभा सीटों की संख्या वर्तमान 543 से बढ़ाकर 816 की जा सकती है, जिसमें 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।

क्रिकेटर रिंकू सिंह बनेंगे यूपी में रीजनल स्पोर्ट्स ऑफिसर

लखनऊ,उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ से निकलकर देश और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट के मैदान पहचाने बनाने वाले क्रिकेटर रिंकू सिंह अब क्रिकेट के साथ ही एक नए रोल में नजर आएंगे। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार उन्हें आज नौकरी देने जा रही है और राज्य के सीएम योगी आदित्यनाथ उन्हें क्षेत्रीय खेल अधिकारी का नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। जहां वह खेल के विकास में प्रशासनिक जिम्मेदारी निभाएंगे। रिंकू सिंह यूपी के अलीगढ़ के एक छोटे से गांव के रहने वाले और यहीं से निकल उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई और देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। हालांकि पहले

यूपी सरकार ने उन्हें राज्य में बेसिक शिक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया था। लेकिन उनकी शैक्षणिक योग्यता को लेकर विवाद हुआ तो राज्य सरकार ने नियुक्ति को कैंसिल कर दिया था और अब उन्हें खेल विभाग में क्षेत्रीय खेल अधिकारी के तौर पर नियुक्त करने का फैसला किया। रिंकू सिंह के अलावा आज क्रिकेट, हॉकी, एथलेटिक्स और पैरालंपिक जैसे विभिन्न खेलों से जुड़े कुल 14 खिलाड़ियों को सीए योगी नियुक्ति पत्र देंगे। रिंकू सिंह ने घरेलू क्रिकेट में लंबे समय तक कड़ी मेहनत करने के बाद आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाई है। अगर बात रिंकू सिंह के जज्बे की करें तो हाल के दिनों में उनकी निजी जिंदगी में कई उतार–चढ़ाव आए हैं और उसके बाद भी वह खेल और टीम से जुड़े रहे।

नहीं आई एंटी रेबीज वैक्सीन, मरीजों की बढ़ीं मुश्किलें

रुड़की। सिविल अस्पताल रुड़की में एंटी रेबीज वैक्सीन (एआरवी) खत्म हुए करीब एक सप्ताह बीत चुका है, लेकिन अब तक नई खेप नहीं पहुंच सकी है। इससे कुत्ते के काटने के शिकार लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। सरकारी अस्पताल में वैक्सीन नहीं मिलने के कारण मरीजों को बाहर मेडिकल स्टोर से एआरवी खरीदनी पड़ रही है।

इसकी कीमत 350 से 400 रुपये तक होने से गरीब और जरूरतमंद मरीजों की चिंता और बढ़ गई है। अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों और उनके तीमारदारों का कहना है कि कुत्ते के काटने के बाद समय पर एआरवी लगना बेहद जरूरी होता है, लेकिन अस्पताल में वैक्सीन न होने से उन्हें परेशान होना पड़ रहा है।

भाजपा सरकार दोषियों को बचाने में उतरी–केजरीवाल

नई दिल्ली ,आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार ने गंभीर आरोप लगने के बाद अपने ही मंत्री लालजीत भुल्लर को गिरफ्तार करा दिया है। भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टालरेंस की नीति पर चलते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पहले ही लालजीत भुल्लर का मंत्री पद से इस्तीफा ले लिया था और अब पुलिस को आदेश देकर उन्हें गिरफ्तार करा लिया। "आपझ्ऌ के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भगवंत मान सरकार के इस कड़े एक्शन की खुले दिल से सराहना करते हुए भाजपा को आइना भी दिखाया है। उन्होंने कहा कि इंसाफ के लिए "आपझ्ऌ अपनी सरकार के मंत्री पर भी एक्शन लेने से पीछे नहीं हटती है। जबकि भाजपा अपने लोगों को बचाने के लिए न्याय की बलि चढ़ा देती है। जब हरियाणा में एडीजीपी ने आत्महत्या की तो कई लोगों पर गंभीर

आरोप लगे, लेकिन भाजपा और उसकी सरकार दोषियों को बचाने में उतर गई।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हाल ही में पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार के एक मंत्री पर गंभीर आरोप लगे। हमारी सरकार ने बिना किसी देरी या भेदभाव के उस मंत्री के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की और उसे न सिर्फ पद से हटाया, बल्कि गिरफ्तार भी करवाया। वहीं कुछ समय पहले हरियाणा में एक एडीजीपी ने आत्महत्या कर ली। कई लोगों पर गंभीर आरोप लगे, लेकिन उनकी पूरी पार्टी और सरकार दोषियों के समर्थन में उतर आई। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी और भाजपा में यही फर्क है। जब बात इंसाफ की हो तो आम आदमी पार्टी अपनी ही सरकार के मंत्री पर भी कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटती, जबकि भाजपा अपने लोगों को बचाने के लिए न्याय की ही बलि चढ़ा देती है।

भगवंत सिंह मान ने कहा कि भ्रष्टाचार के प्रति आम आदमी पार्टी की जीरो टॉलरेंस की नीति है। अगर हमारा कोई मंत्री भी ऐसा काम करता है, तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई होगी।

सम्पादकीय

सपना दूर जाने की आशंका

एआई के कारण नौजवानों के लिए मध्यवर्गीय जिंदगी का सपना लगातार दूर होते जाने की आशंका है। भारत के नीतिकारों को इसका आभास है। मगर उनके पास इसका ठोस एवं सार्थक समाधान भी है, ऐसा कोई संकेत उन्होंने नहीं दिया है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) से वित्त, प्रबंधन, कंप्यूटर साइंस, गणित, इंजीनियरिंग, विधि और कार्यालय प्रशासन के क्षेत्रों में मौजूद रोजगार पर सबसे अधिक खतरा है। इन क्षेत्रों में एआई के जरिए सबसे पहले उन कार्यों को करना शुरू किया गया है, जिसे सबसे जूनियर कर्मचारी करते हैं। यानी जो नौजवान इन क्षेत्रों में करियर बनाने की उम्मीद लिए बैठे हैं, उनके लिए रास्ता कठिन होता जा रहा है। ये बातें एआई कंपनी एंथ्रोपिक ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कही है। इस अध्ययन रिपोर्ट को 'श्रम बाजार पर एआई का प्रभाव: नया पैमाना और आरंभिक साक्ष्यइ शीर्षक से प्रकाशित किया गया है। हाई टेक क्षेत्र में बहुत से कार्यों को संपन्न कर देने की क्षमता के कारण एंथ्रोपिक का एआई मॉडल– क्लाउड– हाल में चर्चा में रहा है। हालांकि एंथ्रोपिक का कहना है कि फिलहाल उसका मॉडल पेशेवरकर्मियों के कार्यों का सिर्फ 33 फीसदी हिस्सा ही संपन्न करने में सक्षम हुआ है। इसके बावजूद इसके उपयोग से अनेक क्षेत्रों नौकरियां जाने लगी हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित कंप्यूटर प्रोग्रामिंग और कस्टमर सर्विस के क्षेत्र हुए हैं। आने वाले समय में मॉडल की क्षमता बढ़ने के साथ इन क्षेत्रों में मानव श्रम के लिए रोजगार के अवसर बेहद सिमट जाएंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक एआई मॉडल्स से कंस्ट्रक्शन, कृषि, स्वास्थ्य देखभाल, पर्सनल केयर आदि क्षेत्रों में रोजगार पर न्यूनतम असर पड़ेगा। मगर भारत जैसे देश के लिए भी ये सीमित राहत की ही बात है। इसलिए कि जिन क्षेत्रों को एआई मॉडल्स प्रभावित करने जा रहे हैं, उनमें बने रोजगार के अवसर ही गुजरे तीन दशकों में भारत में मध्य वर्ग के प्रसार का जरिया रहे हैं। रिपोर्ट में कहा है कि 22 से 25 वर्ष उम्र के जो छात्र अभी पढ़ कर निकले हैं, उनके लिए इन क्षेत्रों में अवसर तेजी से सिकुड़ रहे हैं। यानी नौजवान आबादी के लिए मध्यवर्गीय जिंदगी का सपना लगातार दूर होते जाने की आशंका है। भारत के नीतिकारों को इसका आभास है, इसका संकेत पिछले साल नीति आयोग की एक रिपोर्ट से मिला था। मगर, उनके पास इसका ठोस एवं सार्थक समाधान भी है, ऐसा कोई संकेत उन्होंने नहीं दिया है।

देश में उलटी बयार

पूंजी अभाव का सामना कर रहे इस देश में उलटी बयार चल रही है। एक ओर राष्ट्रीय सुरक्षा की चिंता छोड़ चीनी पूंजी बुलाई जा रही है, तो दूसरी तरफ भारतीय पूंजी 'अमेरिका फर्स्टइ का एजेंडा साधने जा रही है! भारत ने सामरिक चिंताओं को ताक पर रखते हुए चीनी पूंजी के लिए अपने दरवाजे खोल दिए हैं। तर्क पहले से दिया जा रहा था कि जब विदेशी निवेशक भारत से मुंह मोड़ रहे हैं, भारत के लिए आ सकने वाली चीनी पूंजी का रास्ता रोके रखना ठीक नहीं है। गौरतलब है कि इस वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 3.7 बिलियन डॉलर का शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बाहर गया। इसके अलावा दलील यह भी दी गई कि भारतीय कारखाना क्षेत्र चीनी उपकरणों एवं वस्तुओं पर निर्भर है, इसलिए उनका आयात करने के बजाय सही नीति चीनी कंपनियों के निवेश के जरिए उन्हें लाना होगा। संभवतः इन्हीं तर्कों को मानते हुए केंद्र ने प्रेस नोट–3 को संशोधित किया है, जिसके जरिए अप्रैल 2020 में चीनी पूंजी के निवेश पर रोक लगाई गई थी। ये वो दौर था, जब लद्दाख क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीनी फौज भारतीय इलाकों में जबरन घुसने में जुटी थी। इसलिए प्रेस नोट–3 को महज आर्थिक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित कदम भी माना गया था। लेकिन उस पर बिना कोई स्पष्टीकरण दिए उस निर्णय को पलट दिया गया है। बहरहाल, इस निर्णय के साथ ही एक दूसरी खबर आई है, जिससे पूंजी अभाव का सामना कर रहे इस देश में चल रही उलटी बयार का अहसास होता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एलान किया है कि रिलायंस ग्रुप अमेरिका के ब्राउन्सविले में एक बड़ी रिफाइनरी लगाएगा, जिसके लिए 300 बिलियन डॉलर का सौदा हुआ है। ट्रंप ने इसे 'अमेरिकी श्रमिकों, ऊर्जा, एवं दक्षिण टेक्सस के लोगों की बड़ी जीतइ बताया है; और कहा है कि इससे 'अमेरिकी बाजार में गति आएगी, राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत होगी,

नेतन्याहू ने ट्रंप के जरिए मकसद साधा

हरिशंकर व्यास

ओह! इक्कीसवीं सदी। इस सदी के प्रारंभ की एक तारीख 9/11 की थी। ताज़ा तारीख 2/28 है। और 26 वर्षों की इस पूरी अवधि के प्रतीक कौन हैं? तब जॉर्ज डब्ल्यू बुश थे। अब डोनाल्ड ट्रंप हैं। और तीसरे प्रतीक इज़राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू हैं। 9/11 के समय नेतन्याहू प्रधानमंत्री नहीं थे। वे 1996 में प्रधानमंत्री थे। उन्होंने ओस्लो समझौते को हाशिए में रख फिलिस्तीनियों के प्रति नया रवैया अपनाया था। उनकी वापसी 9/11 की घटना के वैश्विक प्रभावों का एक परिणाम थी।

हां, नेतन्याहू सर्वाधिक लंबे समय से प्रधानमंत्री बने रहने का रिकॉर्ड लिए हुए हैं। वे पहली बार 1996 में प्रधानमंत्री बने। उन्होंने इज़राइल के संस्थापक प्रधानमंत्री डेविड बेन–गुरियन (14 मई 1948 को उन्हीं ने इज़राइल की स्वतंत्रता की घोषणा की थी।) के कार्यकाल का रिकॉर्ड तोड़ा है। नेतन्याहू का अब तक का कार्यकाल 18 वर्षों का है। तय मानें ईरान पर इजराइल–अमेरिकी हमले तथा 24 घंटे के भीतर ईरानी सुप्रीमो अली ख़ामेनेई की मौत से इसी साल होने वाले चुनावों में भी नेतन्याहू की जीत पक्की है।

नेतन्याहू पहले दिन से फिलिस्तीनियों, अरब इस्लामी राजनीति को हैसियत बताने के मकसद में काम करते रहे हैं। और इसमें वे अपनी सफलता की गाथा 28 फरवरी 2026 की तारीख पर बुनेंगे जिस पर इजराइली मतदाताओं का अनिवार्यतः ठप्पा लगेगा।

मैं नेतन्याहू को पहले रख रहा हूं और डोनाल्ड ट्रंप को बाद में। क्योंकि जो हुआ है उसके उत्प्रेरक केवल और केवल नेतन्याहू हैं। कहने वाले कहेंगे कि ट्रंप मवाली हैं और उनकी वजह से वेनेजुएला के बाद ईरान ऑपरेशन हुआ। पर असल खेला नेतन्याहू का रचा हुआ है। उन्होंने पश्चिम एशिया की शक्ल बदली है तो दुनिया के कोई दो अरब (1.9 अरब) मुसलमानों के दिल–दिमाग को भी झिंझोड़ा है। निश्चित ही चिंगारी हमास के (सात अक्टूबर 2023) आतंकी हमले से थी। लेकिन उसके बाद जो हुआ है वह केवल नेतन्याहू की बदौलत है। उन्होंने किसी की कोई चिंता नहीं की। और दुनिया के आगे गाजा का वह लाइव नजारा बनाया जिसे देख हर कोई दहला।

और दुनिया भर के मुसलमान पर सर्वाधिक असर। यही इस सदी के 26 वर्षों की हकीकत है। मानों सभ्यताओं में संघर्ष बिना घोषणा के होता हुआ। सोचें, आतंकवाद के खिलाफ राष्ट्रपति बुश के वैश्विक जंग के ऐलान और अफगानिस्तान–इराक पर हमलों के बाद क्या माना गया? खत्म हुए इस्लामी आतंकी और दुनिया सामान्य! लेकिन इज़राइल में नेतन्याहू, यूरोप में आतंकियों, इराक–सीरिया में इस्लामी स्टेट और फिर अचानक ट्रंप का उभार क्या था? यों कहने को नेतन्याहू–ट्रंप ने अब्राहम समझौते का झुनझुना बना कर यहूदी इजराइल और इस्लामी देशों में कूटनीतिक रिश्तों की झांकी बनाई लेकिन अंत अनुभव क्या है? कुल परिणाम क्या है?कह सकते हैं समय के साथ भूल जाने वाली घटनाओं का सिलसिला है। यह सही नहीं है। क्योंकि हम 21वीं सदी में हैं। वह बीसवीं सदी अलग थी, जिसमें महायुद्ध हुए। विश्व व्यवस्था बदली। मगर वह सब वैश्विक जनमानस की आंखों के आगे प्रत्यक्ष नहीं था। अमेरिका ऐसा है, यहूदी ऐसे हैं, मुसलमान ऐसे हैं, हिंदू

ऐसे हैं, ईसाई ऐसे हैं, ये बाते बीसवीं सदी में जानकार लोग ही सुनते थे। सब सुनी–सुनाई बातें होती थीं। पश्चिम एशिया में कभी क्रूसेड हुआ। मुस्लिम हमलावर निर्मम हैं या यूरोपीय देश लुटेरे हैं, औपनिवेशिक ताकतें और पूंजीपति शोषक हैं ये तमाम बातें आम जन मानस से दूर थी, जबकि इक्कीसवीं सदी में दुनिया एक गांव है। सब कुछ लाइव है। आज पृथ्वी के आठ अरब लोगों के आगे सब लाइव घटता हुआ है। सो, दुनिया के आगे नेतन्याहू के भी पल–पल दर्शन हैं तो अली खामेनेई, लादेन, बगदादी, ट्रंप, मोदी, पुतिन, शी जिनपिंग आदि भी कैमरे के जरिए आंखों के आगे साक्षात हैं।

इसलिए नेतन्याहू ने 2023 से अब तक जो किया है वह वैश्विक स्मृतियों में, मुस्लिम आबादी में आंखों देखी दर्ज है। नेतन्याहू और ट्रंप को गलतफहमी है कि अली खामेनेई और ईरान को शैतान करार देकर मारा है तो मुसलमान उनका जयकारा करेगा। मेरा मानना है कि ट्रंप प्रशासन का यह सोचना ही बेवकूफी भरा है कि ईरान के लोग उसके लोकतंत्र बनवाने के मिशन की वाह करेंगे। इसलिए हर खाड़ी देश ने ट्रंप प्रशासन को समझाना चाहा कि ईरान पर हमला न करें। इसके पीछे कतर, ओमान, कुवैत, बहरीन को जहां अपनी सुरक्षा की चिंता थी वही मुस्लिम जनमानस की भी चिंता थी। पृथ्वी के दो अरब लोगों ने पिछले तीन वर्षों में गाजा को जैसा लाइव देखा है, वे भला कैसे ईरान पर हमले को ईरानी लोगों की भलाई का का काम मानेंगे।बहरहाल, नेतन्याहू ने जो चाहा वह कर दिखाया। ट्रंप के कंधे से ईरान पर वार का मुकाम ऐतिहासिक है। और ऐतिहासिक मायने इस्लाम, इस्लामी राजनीति, इस्लामी धर्मसत्ता के सभी पहलूओं में गंभीर है। मुझे नहीं लगता कि ईरान के नौ करोड़ शिया मुसलमान अपने धर्म की धर्मसत्ता छोड़ धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र को अपनाएंगे? ईरान वेनेजुएला नहीं है। न ही मिस्त्र, तुर्की या इंडोनेशिया है। वजह ईरान का दुनिया के कोई 20–25 करोड़ शियाओं का धर्मतीर्थ होना भी है। दुनिया भर से लाखों की संख्या में शिया हर साल ईरान के तीर्थ कर्बला, नजफ़, मशहद, क़ोम पहुंचते हैं। और ये ही "विलायत–ए फ़क़ीह" यानी आयतुल्लाह/मरजाअ की विरासती धर्मशिक्षा के केंद्र हैं। इसलिए इज़राइल–अमेरिका एक आयतुल्लाह को मारेंगे तो धर्मव्यवस्था–संविधान अनुसार नया आयतुल्लाह आ जाएगा। माना जाता है कि ईरानी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (डेढ़ से दो लाख सक्रिय सैनिक, नब्बे हजार बसिज़ मिलिशिया) धर्म विधान मामले में कट्टर हैं। ईरानी सेना के नौ लाख सैनिकों से अतिरिक्त ये ईरान के ये रिवोल्यूशनरी गार्ड हैं। ये ट्रंप–नेतन्याहू के आगे समर्पण कर दें या 47 पहले के शाह पहलवी के बेटे को तेहरान में सरकार बनाने दे यह संभव नहीं है।

सो, ईरान अरब–खाड़ी क्षेत्र का सबसे बड़ा (आबादी) देश ही नहीं है उसकी सेना भी सर्वाधिक बड़ी और संस्थागत ढांचा लिए हुए है। इस वास्तविकता को नेतन्याहू भलीभांति जानते हैं। तभी नेतन्याहू ने ट्रंप के जरिए अपना मकसद साधा। सो, अमेरिका फंसा है और फंसा रहेगा। फिर ट्रंप को निज लाभ भी है। ईरान पर हमले, खुमैनी की मौत से वे अंदरूनी राजनीति में नैरेटिव बनाएंगे वही वैश्विक दादागिरी भी बढेगी।

इस सबका भारत पर क्या असर होगा? ध्यान रहे ईरान पर हमले से ठीक पहले नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री मोदी को न्योता दे कर उनका इजराइली संसद में भाषण करवाया। अपने मिशन में राजदार बनाया। याद करें कि किस अंदाज में दोनों प्रधानमंत्रियों ने आतंक के समूल नाश में साझेदारी दिखाई! मोदी ने कैसे इज़राइल व भारत को फादरलैंड–मदरलैंड के रूपक में बांधा। सवाल है नेतन्याहू के जरिए जोश–अहंकार का वैश्विक गुब्बारा बने डोनाल्ड ट्रंप नई स्थिति में क्या भारत पर रहम करेंगे? व्यापार संधि में भारत से बराबरी का व्यवहार करेंगे या और दबाव डालेंगे? कल तक भारत की ऊर्जा यानी कच्चे तेल (रियायतों के साथ) का ईरान भरोसेमंद सप्लायर था। उस सोर्स को अब बंद मानना चाहिए। क्योंकि वहां ट्रंप की वेनेजुएला जैसी कठपुतली सरकार कतई नहीं बनेगी। लड़ाई होती रहेगी। अंदरूनी अराजकता में ईरानी तेल ठिकाने बर्बाद भी हो सकते हैं। सो, जब ईरान से सप्लाई बाधित होगी तो चीन की खरीद रूस से होगी। वही भारत ट्रंप के दबाव में रूस से सप्लाई नहीं बढ़वा सकता। ऐसे में अमेरिका से खरीदो या उसके जरिए वेनेजुएला से भारत तेल मंगाएगा। और कीमत का निर्णयकर्ता अमेरिका।

ऐसा सिनेरियो न तो असंभव है और न इसका समाधान आसान है। ले देकर मोदी सरकार नेतन्याहू से ही रास्ता निकलवा सकती है। वह भी तब संभव है जब यह मालूम हो कि ईरान की धर्मसत्ता और उसके बारह–तेरह लाख अनुयायी सैनिक अडिग रहते हैं या नेतन्याहू–ट्रंप के आगे सरेंडर करते है? मेरा मानना है कि इन लाखों सैनिकों का सरेंडर तभी संभव है जब अमेरिका–इज़राइल दोनों तेहरान में अपने सैनिक उतारें? और यह नामुमकिन है।

डिजिटल युग में ठगी के बढ़ते जाल से कैसे मिलेगी निजात

सौरभ वार्ष्णेय

देश की राजधानी दिल्ली आज सिर्फ राजनीतिक और प्रशासनिक केंद्र ही नहीं, बल्कि साइबर और वित्तीय अपराधों का भी बड़ा केंद्र दिखाई दे रही है। प्रतिदिन औसतन 50 लाख रुपये की ठगी के मामलों का सामने आना न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि यह कानून–व्यवस्था और डिजिटल सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यह आंकड़े एक दैनिक अखबार में प्रकाशित किये गए हैं जो चौंकाने वाले दिख रहे हैं। वर्ष 2025 में 184 मामले दर्ज किये गए हैं, लगभग 70,64,80,424 रूपये (30 जून तक) तक ठग लिए गये हैं। इससे पिछले वर्ष 2024 में 1,591 मामले दर्ज हुए और 8,17,64,85,471 रूपये ठग लिए गए। आज ठगी से कैसे बचे ? अभी गैस की क्या कमी हुई ठगों ने इस आपदा को अवसर बना लिया। इस डिजिटल युग में ठगी के बढ़ते जाल से कैसे निजात मिलेगी तो विशेषज्ञों का कहना है कि जागरुकता और सतर्कता सावधानी जरूरी है।

दिल्ली जैसी राजधानी में दिल्ली पुलिस अच्छा कार्य कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में तकनीक के विस्तार के साथ ठगी के तरीके भी बेहद परिष्कृत हो गए हैं। पहले जहां जेबकतरी और साधारण धोखाधड़ी आम थी, वहीं अब ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल, अपडेट के नाम पर ठगी, और निवेश के झांसे जैसे अपराध तेजी से बढ़े हैं। आम नागरिक, विशेषकर बुजुर्ग और डिजिटल रूप से कम जागरूक लोग, इन ठगों का आसान शिकार बन रहे हैं। दिल्ली पुलिस और अन्य एजेंसियां लगातार जागरूकता अभियान चला रही हैं, लेकिन अपराधियों की चतुराई और तकनीकी दक्षता कई बार इन प्रयासों पर भारी पड़ती है। अपराधी अक्सर विदेशी सर्वर, फर्जी सिम कार्ड और डिजिटल वॉलेट्स का इस्तेमाल कर अपनी पहचान छिपा लेते हैं, जिससे जांच और गिरफ्तारी में कठिनाई आती है।

यह स्थिति कई स्तरों पर चिंता पैदा करती है। पहला, आम जनता का डिजिटल लेनदेन पर विश्वास कमजोर होता जा रहा है। दूसरा, देश की आर्थिक सुरक्षा पर इसका असर पड़ता है। तीसरा, कानून प्रवर्तन एजेंसियों की क्षमता और संसाधनों पर भी प्रश्न उठते हैं।

समाधान के लिए बहुस्तरीय रणनीति आवश्यक है। सबसे पहले, साइबर अपराध से निपटने के लिए पुलिस बल को अत्याधुनिक तकनीक और प्रशिक्षण से लैस करना होगा। दूसरे, बैंकों और डिजिटल पेमेंट कंपनियों को अपनी सुरक्षा प्रणाली को और मजबूत बनाना होगा। तीसरे, स्कूलों और सामाजिक मंचों के माध्यम से डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि लोग ठगी के नए–नए तरीकों से परिचित हो सकें।इसके अलावा, सरकार को सख्त कानून और त्वरित न्याय व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी, ताकि अपराधियों में डर पैदा हो। साथ ही, आम नागरिकों को भी सतर्क रहना होगा– अनजान कॉल, लिंक या ऑफर पर भरोसा करने से पहले पूरी जांच करना जरूरी है। हाल के महीनों में दिल्ली पुलिस ने साइबर अपराधियों के खिलाफ आक्रमक रुख अपनाया। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर संयुक्त आयुक्त रजनीश गुप्ता के नेतृत्व में ऑपरेशन साई–हॉक के तहत दिल्ली और पड़ोसी राज्यों में बड़े पैमाने पर छापेमारी की गई। इस ऑपरेशन का उद्देश्य उन कॉल सेंटरों और गिरोहों को नेस्तनाबूद करना था जो फर्जी केवाईसी, लॉटरी और निवेश के नाम पर लोगों को लूटते हैं। इस कार्रवाई के बाद साइबर अपराधों की दर में गिरावट दर्ज की गई। अब जांच टीम के विस्तार से इस पकड़ को और मजबूत किया जा सकेगा। यह समझना होगा कि डिजिटल युग में सुरक्षा केवल सरकार या पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह ठगी का जाल और भी व्यापक रूप ले सकता है, जिससे न केवल आर्थिक बल्कि सामाजिक विश्वास भी प्रभावित होगा। यह आंकडे तो दिल्ली के है देश भर में यह ठगी का आंकडा बड़ा भी हो सकता है। लेकिन सतर्कता सावधानी जरूरी है।

डिजिटल ठगी से कैसे निजात पाएं

डिजिटल युग ने जहां हमारी जिंदगी को आसान बनाया है, वहीं ठगों के लिए नए रास्ते भी खोल दिए हैं। आज मोबाइल, इंटरनेट और ऑनलाइन बैंकिंग के बढ़ते उपयोग के साथ डिजिटल ठगी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। हर दिन आम लोग अपनी मेहनत की कमाई साइबर अपराधियों के जाल में फंसा रहे हैं। ऐसे में यह सवाल बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है कि डिजिटल ठगी से कैसे बचा जाए और इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण कैसे हो। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि डिजिटल ठगी केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि जागरूकता की कमी का परिणाम भी है।

ठग अक्सर फर्जी कॉल, मैसेज, ईमेल या लिंक के माध्यम से लोगों को भ्रमित करते हैं। आपका बैंक खाता बंद हो जाएगा, केवाईसी अपडेट करें, लॉटरी लगी है –जैसे लालच और डर पैदा करने वाले संदेश लोगों को जल्दी फैसले लेने पर मजबूर कर देते हैं। इसी जल्दबाजी का फायदा अपराधी उठाते हैं।इस समस्या से निजात पाने का पहला और सबसे प्रभावी उपाय है–जागरूकता। आम नागरिकों को यह समझना होगा कि कोई भी बैंक या सरकारी संस्था कभी भी फोन या मैसेज के जरिए पासवर्ड या नहीं मांगती। ऐसे किसी भी अनुरोध को तुरंत नजरअंदाज करना चाहिए। साथ ही, अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचना और केवल आधिकारिक वेबसाइट या ऐप का ही उपयोग करना जरूरी है। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है–तकनीकी सुरक्षा। मोबाइल और कंप्यूटर में अपडेटेड एंटीवायरस रखना, मजबूत पासवर्ड का इस्तेमाल करना और समय–समय पर पासवर्ड बदलना जरूरी है। दो–स्तरीय सुरक्षा का उपयोग भी ठगी के जोखिम को काफी हद तक कम कर सकता है।तीसरा, सरकार और संस्थाओं की भूमिका भी बेहद अहम है। साइबर अपराधों पर सख्त कानून, त्वरित कार्रवाई और पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिलना आवश्यक है। साथ ही, पुलिस और साइबर सेल को आधुनिक तकनीक से लैस करना और उनकी क्षमता बढ़ाना समय की मांग है। जन–जागरूकता अभियान भी लगातार चलाए जाने चाहिए, ताकि ग्रामीण और शहरी–दोनों क्षेत्रों में लोग सतर्क रहें।

यश की टॉक्सिक से सामने आया अक्षय ओबेरॉय का दमदार लुक

यश की अपकमिंग फिल्म टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन–अप्स सुर्खियों में है। फिल्म के मेकर्स हर दिन इसकी अपडेट दे हैं। हाल ही में फिल्म का टीजर जारी हुआ है जिसे दर्शकों ने पसंद किया है। अब मेकर्स ने फिल्म के एक और कलाकार का लुक जारी किया है। मेकर्स ने फिल्म से अक्षय ओबेरॉय का लुक जारी किया है। केवीएन प्रोडक्शन ने अपने इंस्टाग्राम पर अक्षय ओबेरॉय का लुक जारी किया है। इसमें वह टोनी के रूप में नजर आ रहे हैं। पोस्टर में टोनी भूरे रंग के ड्रेस में हैं। वह खून से लथपथ हैं। पोस्टर में देखा जा सकता है कि उनके आस–पास कई घायल लोग पड़े हुए हैं। इन लोगों के हाथ–पैर रस्सी से बंधे हैं। फिल्म में यश, राया और टिकट के डबल रोल में नजर आएंगे। हाल ही में रिलीज हुए टीजर में राया पर ज्यादा फोकस किया गया है। इसमें उन्हें एक खतरनाक गैंगस्टर के तौर पर दिखाया गया। टीजर में भरपूर एक्शन है। मेकर्स ने फिल्म से कई कलाकारों के लुक शेयर किए हैं। इसमें नादिया के रोल में कियारा आडवाणी, गंगा के रोल में नयनतारा, एलिजाबेथ के रोल में हुमा कुरैशी, रेबेका के रोल में तारा सुतारिया, टोविनो थॉमस, डेरेल डीसिल्वा और मेलिसा के रोल में रुक्मिणी वसंत होंगी।

वाराणसी फिल्म से श्रीराम के किरदार में महेश बाबू का लुक हुआ लीक?

साउथ सुपरस्टार महेश बाबू निर्देशक एस एस राजामौली की अपकमिंग मेगा फिल्म 'वाराणसीइ में भगवान श्रीराम का किरदार निभाते नजर आएंगे। इस बात का खुलासा खुद राजामौली ने फिल्म के टाइटल लॉन्च और इंटरव्यू के दौरान किया था, लेकिन तब महेश बाबू का लुक पोस्टर जारी नहीं किया गया था। अब लगता है फैंस का इंतजार खत्म हो गया है।

आंध्र प्रदेश के गुंटूर में मिथ्री सिनेमा के डिजिटल होर्डिंग पर फिल्म का एक पोस्टर लगाया गया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस पोस्टर में महेश बाबू भगवान श्रीराम के रूप में धनुष थामे समुद्र की ओर देखते दिखाई दे रहे हैं। पोस्टर पर लिखा है – 'श्रीराम के रूप में महेश बाबू।इ हालांकि मेकर्स ने अभी तक इस पोस्टर को आधिकारिक तौर पर रिलीज नहीं किया है, लेकिन यह थिएटर्स में दिखाया जा रहा है। फिल्म लॉन्च के दौरान राजामौली ने बताया था कि उन्होंने फिल्म के लिए रामायण का एक खास पार्ट 60 दिनों तक शूट किया है। उन्होंने कहा, 'पहले दिन जब महेश श्रीराम के गेटअप में फोटोशूट के लिए आए, तो मेरे रोंगटे खड़े हो गए। महेश में कृष्ण का आकर्षण है,

हार्दिक, सुखजीत, संजय , अभिषेक हॉकी इंडिया वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में

नई दिल्ली, भारत के स्टार मिडफील्डर हार्दिक सिंह, फॉरवर्ड सुखजीत सिंह और अभिषेक और डिफेंडर संजय इस साल हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में हैं. महिला वर्ग में सलीमा टेटे, नवनीत कौर, लालरेम्सियामी और सविता पूनिया को नामांकन मिला है. यहां शुक्रवार को होने वाले हॉकी इंडिया पुरस्कार समारोह में उदीयमान खिलाड़ी (अंडर 21) का जुगराज सिंह और असुंथा लाकड़ा पुरस्कार भी दिया जाएगा. अंतिम नामांकन में आठ श्रेणियों में 32 खिलाड़ियों को चुना गया है. इसके साथ ही हॉकी में अमूल्य योगदान के लिए जमन लाल शर्मा पुरस्कार और असाधारण उपलब्धि के लिए अध्यक्ष का पुरस्कार भी दिया जाएगा. अधिकारियों की श्रेणी में वर्ष के सर्वश्रेष्ठ अंपायर /अंपायर मैनेजर का पुरस्कार, वर्ष के सर्वश्रेष्ठ तकनीकी अधिकारी और सर्वश्रेष्ठ सदस्य ईकाई का पुरस्कार भी दिया जाएगा. इसके साथ ही एशिया कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय पुरूष टीम और जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीतने वाली जूनियर पुरूष टीम को भी सम्मानित

किया जाएगा. हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा ," भारतीय हॉकी के लिये यह अहम साल है और ऐसे में असाधारण प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों और पिछले एक साल में अपना योगदान देने वालों को सम्मानित करना महत्वपूर्ण है.

बलजीत सिंह वर्ष 2025 का सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर : प्रिंसदीप सिंह, कृशन बहादुर पाठक, बिछू देवी खारीबम, सूरज करकेरा

* परगट सिंह वर्ष का सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर : संजय, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह और हरमनप्रीत सिंह

* अजित पाल सिंह वर्ष का सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर : हार्दिक सिंह, सुमित, राजकुमार पाल, नीलाकांता शर्मा

* धनराज पिल्लै वर्ष का सर्वश्रेष्ठ फॉरवर्ड : सुखजीत सिंह, अभिषेक, नवनीत कौर, शिलानंद लाकड़ा

* असुंथा लाकड़ा उदीयमान महिला अंडर 21 खिलाड़ी : साक्षी राणा, ज्योति सिंह, सुनेलिटा टोप्पो, कनिका सिवाच

* जुगराज सिंह उदीयमान पुरूष अंडर 21 खिलाड़ी : प्रिंसदीप सिंह, मनमीत सिंह, अनमोल इक्का, अर्शदीप सिंह

बलबीर सिंह सीनियर वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी : नवनीत कौर, सलीमा टेटे, लालरेम्सियामी, सविता

बलबीर सिंह सीनियर वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरूष खिलाड़ी : हार्दिक सिंह, सुखजीत सिंह, संजय और अभिषेक।

तमिल डेब्यू रूट को लेकर उत्साहित अपारशक्ति खुराना, बताया बेहद खास प्रोजेक्ट

एक्टर अपारशक्ति खुराना तमिल फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने को तैयार हैं। फिल्म रूट में वह खास अंदाज में दिखेंगे, जिसमें उनके साथ गौतम राम कार्तिक लीड रोल में हैं। अपारशक्ति ने फिल्म के बारे में बात करते हुए बताया कि यह प्रोजेक्ट उनके करियर के लिए बेहद खास है। अभिनेता ने बताया कि उन्होंने डायरेक्टर सूर्यप्रताप की एक वेब सीरीज के देखी थी, जिससे वह प्रभावित हुए। इसलिए उनके साथ काम करने का फैसला किया। अपारशक्ति ने बताया कि 'रूटइ उनके अब तक के सभी प्रोजेक्ट से बहुत अलग है। इस फिल्म पर काम करने का अनुभव शानदार रहा। तमिल भाषा में एक्टिंग करने की चुनौती पर अपारशक्ति ने खुलकर बात की। उन्होंने

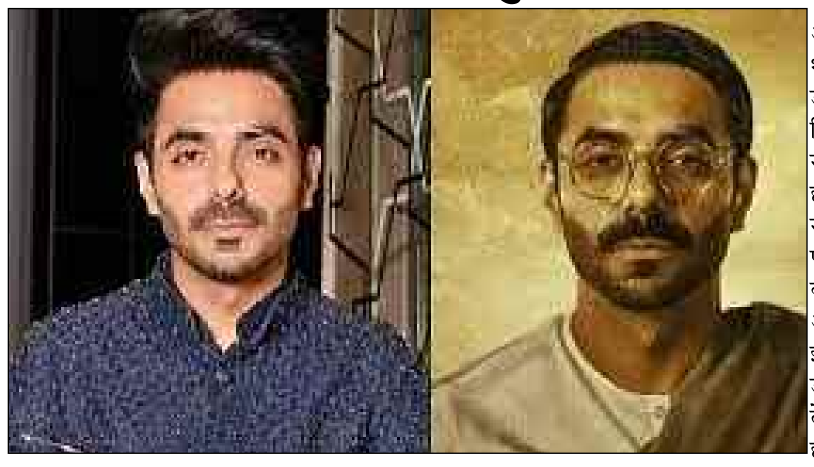

कहा, ऐसी भाषा में एक्टिंग करना मुश्किल है जिसमें आप सोच नहीं रहे होते। पहले इंग्लिश में सोचना पड़ता था, फिर उसे तमिल में ट्रांसलेट करना पड़ता था और उसके बाद परफॉर्मेंस देनी पड़ती थी। इससे नेचुरल बिहेवियर और अभिनय में बदलाव आ जाता था। फ्लोर पर आने से पहले उन्होंने कई वर्कशॉप्स कीं, जिनमें तमिल भाषा को गहराई से समझने और उसमें सहज होने में मदद मिली। आज के समय में ऑडियंस भाषा की परवाह किए बिना अच्छी कहानी और सिनेमा को अपनाने लगी है। अपारशक्ति इस बदलाव से बहुत खुश हैं। उन्होंने बताया, हम सब एक ही देश में रहते हैं। जब ऑडियंस हर भाषा के सिनेमा को पसंद करने लगी है, तो एक्टर, राइटर और डायरेक्टर को दूसरी भाषाओं में काम क्यों नहीं करना चाहिए?

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ: फरवरी के लिए अरुंधति रेड्डी और साहिबजादा फरहान ने जीते पुरस्कार

नईदिल्ली, इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने फरवरी महीने के लिए भारतीय महिला खिलाड़ी अरुंधति रेड्डी को प्लेयर ऑफ द मंथ चुना है। उन्होंने पिछले महीने गेंदबाजी में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। वहीं, पुरुष वर्ग में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के साहिबजादा फरहान ने ये पुरस्कार हासिल किया है। बता दें कि फरहान टी–20 विश्व कप 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे। आइए इस खबर पर एक नजर डालते हैं।

भारतीय तेज गेंदबाज रेड्डी ने पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 3 मैचों की टी–20 सीरीज में 10.87 की औसत और 7.25 की इकॉनमी रेट से 8 विकेट लिए थे। उनका प्रदर्शन क्रमशः 4/22, 2/30 और 2/35 रहा था। उनकी बदौलत भारत ने यह सीरीज 2–1 से अपने नाम की थी।

आईपीएल 2026 में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से धमाल मचा सकते हैं ये 5 बल्लेबाज

नईदिल्ली, इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में एक बार फिर बल्लेबाजों का बोलबाला देखने को मिल सकता है, इस संस्करण कई खिलाड़ी ऐसे हैं जो अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से मैच का रुख पलटने का माद्दा रखते हैं। ये बल्लेबाज न सिर्फ तेजी से रन बनाते हैं, बल्कि बड़े–बड़े शॉट्स लगाकर गेंदबाजों पर दबाव भी बना सकते हैं। ऐसे में आइए उन बल्लेबाजों पर नजर डालते हैं जो आईपीएल 2026 में पहली गेंद से ही आक्रमक बल्लेबाजी कर मैच पलट सकते हैं।

आईपीएल के पिछले 3 संस्करणों में सनराइजर्स हैदराबाद के स्टार बल्लेबाज

हेनरिक क्लासेन ने 170 से अधिक की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की है। जब यह खिलाड़ी लय में होता है तो विपक्षी गेंदबाजों के लिए उसे रोक पाना बेहद मुश्किल होता है। क्लासेन पहली ही गेंद से लंबे–लंबे छक्के लगाने के लिए जाने जाते हैं। आईपीएल के 49 मैचों में उन्होंने 169.72 की स्ट्राइक रेट से 1480 रन बनाए हैं, जिसमें 98 चौके और 89 छक्के शामिल हैं।

एक नजर

पुराने स्लैब न हटाने से रेलवे रोड पर लगा एक घंटे का जाम

कोटद्वार। रेलवे स्टेशन और रोडवेज डिपो के बाहर नाले पर स्लैब डालने का काम पूरा तो हो गया लेकिन अभी तक पुराने स्लैब नहीं हटाए गए हैं जिससे मार्ग पर आवाजाही अवरुद्ध होने से क्षेत्र में एक घंटे तक जाम लग गया। गंदे पानी की निकासी से जुड़ा नाला अवरुद्ध होने आए दिन पानी रेलवे रोड पर बहने से लोगों का आवागमन और क्षेत्रीय दुकानदारों का काम प्रभावित हो रहा था। मार्ग के आधे हिस्से से पुराने सीमेंटेड स्लैब को हटाकर नए स्लैब डाले गए थे। शेष आधे हिस्से में भी अब नया निर्माण कर दिया गया है। इस दौरान पुराने भारी सीमेंटेड स्लैब को सड़क से नहीं हटाया गया है। मलबा सड़क पर ही पड़ा होने से जहां राहगीरों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है वहीं मंगलवार सुबह रुक-रुककर एक घंटे तक जाम लगा रहा। सड़क पर खड़ी होने वाली रोडवेज बसों के कारण जाम नहीं लगने के लिए हालांकि एसआरएम अनुराग पुरोहित खुद सड़क पर ही खड़े रहे लेकिन जाम में फंसे वाहनों की कतार हनुमान मंदिर तक पहुंच गई। इससे पहले कि वाहनों की लंबी कतार से झंडा चौक का यातायात प्रभावित होता पुलिसकर्मियों ने रोडवेज बसों एवं जीएमओयू की बसों को पीछे ही रोक दिया। हल्के वाहनों का भी अस्थायी रूप से रूट डायवर्ट किया।

वार्षिकोत्सव में मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

उत्तरकाशी। जागृति पब्लिक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के नौवें वार्षिक उत्सव समारोह का बागवानी विकास परिषद के उपाध्यक्ष व दायित्वधारी राजकुमार ने किया। इस मौके पर उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में विद्यालय का नाम रोशन करने वाले मेधावी छात्रों को सम्मानित किया। वार्षिकोत्सव में छात्र छात्राओं ने सरस्वती वंदना, स्वागत गान, तांदी नृत्य की प्रस्तुति दी। समारोह के मुख्य अतिथि राजकुमार ने कहा कि बच्चों को बेहतर शिक्षा के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सपनों को साकार करने के लिए माता-पिता और अध्यापकों के सहयोग को जरूरी बताया। प्रधानाचार्य जयवीर चन्द, प्रबंधक केदार सिंह चन्द, अभिभावक संघ के अध्यक्ष सकल चन्द राणा, जिला पंचायत सदस्य विजय बंधानी, अनिता नेगी, स्वेता, विपिन रमोला, जसवंत ठाकुर, जगमोहन सिंह चन्द, रणवीर रावत, विजय सिंह, बलदेव चौहान, जगमोहन रावत आदि उपस्थित रहे। संचालन सुनील कोहली ने किया।

कंडारा गांव को नशामुक्त बनाने का लिया संकल्प

रुद्रप्रयाग। कंडारा ग्राम सभा में नशा मुक्त अभियान के तहत गांव में शराब पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया गया। ग्राम सभा की बैठक में पुलिस टीम को भी बुलाया गया। थाना प्रभारी गुमान सिंह नेगी ने स्पष्ट किया कि गांव में किसी के भी नशे के कारोबार में लिप्त पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने कहा कि नशे के कारण गांव का माहौल बिगड़ रहा है। युवा और बच्चे इसकी चपेट में आ रहे हैं जिससे परिवारों में झगड़े और सामाजिक समस्याएं बढ़ रही हैं। इसी को देखते हुए गांव को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया गया।

इस दौरान जिला पंचायत सदस्य अजयवीर भंडारी, ग्राम प्रधान अंजू देवी भंडारी, महिला मंगल दल अध्यक्ष संतोषी बिष्ट, सामाजिक कार्यकर्ता मनोज नेगी आदि मौजूद रहे।

आपदा से बचाव और राहत कार्यों के बारे में बताया

रुद्रप्रयाग। विकासखंड उखीमठ के ग्राम पंचायत रांसी में आपदा प्रबंधन पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। डीडीआरएफ उखीमठ की टीम ने ग्रामीणों और छात्रों को आपदा से बचाव और राहत कार्यों की जानकारी दी। प्रशिक्षण में भूकंप, बाढ़ और आग जैसी आपदाओं के दौरान सुरक्षित रहने की तकनीकों के बारे में बताया गया। वहीं आपदा से पहले की तैयारी, आपात स्थिति में प्राथमिक उपचार, सीपीआर, स्ट्रेचर बनाना और सुरक्षित निकासी के तरीकों का भी अभ्यास कराया गया।

दीक्षा ने प्रथम और अंतर रहे द्वितीय

रुद्रप्रयाग। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अगस्त्यमुनि में आयोजित विकसित भारत युवा संसद 2026 में युवाओं ने लोकतंत्र और आपातकाल जैसे विषयों पर विचार रखे। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. कैलाश चंद्र दुदपुरी ने की।

हड़ताल पर डटे डिप्लोमा इंजीनियर्स, दी चेतावनी

अपनी मांगों को लेकर धरना देते इंजीनियर्स

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कनिष्ठ अभियंताओं की वेतन विसंगति सहित अन्य मांगों को लेकर डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ की हड़ताल मंगलवार को भी जारी रही। महासंघ ने जल्द समस्याओं का निराकरण नहीं होने पर आंदोलन को तेज करने की चेतावनी दी है। महासंघ से जुड़े इंजीनिसर्य ने सिंचाई निरीक्षण भवन में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। कहा कि लगातार शिकायत के बाद भी समस्याओं के निराकरण को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई जा रही। महासंघ के गढ़वाल जिला इकाई के अध्यक्ष कौशिद अली व कोटद्वार शाखा अध्यक्ष आशीष असवाल ने कहा कि सरकार को समस्याओं के निराकरण के लिए गंभीरता दिखाई चाहिए। महासंघ की मुख्य मांग कनिष्ठ अभियंताओं की वेतन विसंगति को दूर करवाना, पदोन्नति में ठहराव के कारण सभी अभियंत्रण विभागों के डिप्लोमा इंजीनियर्स को पूर्ण सेवाकाल में पात्रता के अनुसार न्यूनतम तीन पदोन्नति प्रदान की जानी चाहिए। पुरानी पेंशन योजना बहाली के लिए आंदोलन चलाने के बाद भी सरकार लापरवाह बनी हुई है। कहा कि यदि जल्द समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ तो आंदोलन को तेज किया जाएगा। इस मौके पर राजपाल, दीपेंद्र रावत, सुदेश बिंजोला, शशिभूषण, अमित सैनी, प्रदीप सैनी, विवेक गुसाईं, महेश गौरी शंकर, प्रदीप ममगाई, महकार सिंह, विकास कौशिक आदि मौजूद रहे।

स्वास्थ्य कर्मियों ने काली पट्टी बांधकर जताया रोष

बांह पर काली पट्टी बांधकर काम करते स्वास्थ कमी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जिला पंचायत सदस्य पर अभद्रता का आरोप लगाते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौगांवखाल के स्वास्थ्य कर्मियों ने बांह पर काली पट्टी बांधकर अपना विरोध दर्ज किया। कहा कि इस संबंध में पुलिस को भी तहरीर दी गई है। लेकिन, अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। कुछ दिन पूर्व प्रखंड एकेश्वर के अंतर्गत ग्राम धस्मानी में एक बच्चे पर गुलदार ने हमला कर दिया था। जिसके बाद ग्रामीण घायल बालक को लेकर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे थे। स्वास्थ्य कर्मियों का आरोप है कि इसी दौरान जिला पंचायत सदस्य ने ड्यूटी पर तैनात स्वास्थ्य कर्मी से अभद्रता। जिससे स्वास्थ्य कर्मियों में रोष व्याप्त है। कहा कि जिला पंचायत सदस्य के खिलाफ पुलिस को भी तहरीर दी गई है। लेकिन, अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। जब तक कानूनी कार्रवाई नहीं होती उनका आक्रोश जारी रहेगा।

बुजुर्ग भूली घर का पता, पुलिस ने स्वजनों को सौंपा

बुजुर्ग को स्वजनों के सुपुर्द करती पुलिस

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : घर का रास्ता भूलकर सड़क पर भटक रही एक बुजुर्ग को पुलिस ने उसके स्वजनों तक पहुंचाया। स्वजनों से मिलकर बुजुर्ग का चेहरा खिल उठा।

पुलिस ने बताया कि गश्त के दौरान कांस्टेबल विनीता फारसी को ग्रास्टनगंज पुल के समीप एक बुजुर्ग घूमती हुई दिखाई दी। जिसके बाद पुलिस बुजुर्ग को कोतवाली लेकर पहुंची। पूछताछ में बुजुर्ग ने बताया कि वह अपने घर का रास्ता भटक गई है। महिला की पहचान रतनपुर निवासी वीरा देवी के रूप में हुई थी। जिसके बाद पुलिस ने बुजुर्ग के स्वजनों से संपर्क कर उन्हें स्वजनों के सुपुर्द किया।

दहेज उत्पीड़न मामले में पति व सास-ससुर दोषमुक्त

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : दहेज उत्पीड़न, मारपीट व गाली-गलौज के आरोपी पति, सास व ससुर को सिविल जज (जू.डि)/न्यायिक मजिस्ट्रेट पौड़ी प्रतीक्षा केसरवानी की अदालत ने दोषमुक्त कर दिया है। महिला की तहरीर पर पुलिस ने जनवरी 2024 में मुकदमा दर्ज किया था।

विकासखंड पाबौ निवासी एक महिला ने पुलिस को दी तहरीर में पति आशीष गुसाईं, ससुर आलम सिंह और सास गुड्डी देवी पर मारपीट, मानसिक उत्पीड़न व गाली-गलौज के आरोप लगाए थे। पुलिस ने 11 जनवरी 2024 को मुकदमा दर्ज किया और 12 जुलाई 2024 को मामला कोर्ट पहुंचा। पीड़िता ने अदालत को बताया कि तीन मई 2022 को उनका विवाह हुआ था। कुछ समय बाद ही सास व सुसर फिर पति ने उनके साथ मारपीट व मानसिक उत्पीड़न किया। अदालत में कई गवाहों ने घटना का स्पष्ट समर्थन नहीं किया। कुछ गवाहों के बयान आपस में विरोधाभासी मिले। अभियोजन पक्ष आरोपों को साबित करने में असफल रहा। अदालत ने कहा कि वैवाहिक विवादों में बिना ठोस साक्ष्य के परिजनों को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। इस पर अदालत ने आरोपी पति आशीष गुसाईं, ससुर आलम सिहं व सास गुड्डी देवी को दोषमुक्त कर दिया।

नहीं थम रहा कुत्तों का आंतक, 35 लोगों को काटा

जयन्त प्रतिनिधिः

कोटद्वार : गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में आवारा कुत्तों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा। पिछले एक माह के भीतर कुत्ते सौ से अधिक लोगों को काट चुके हैं।

एक दिन पूर्व ही अस्पताल में 35 लोग रेबीज का इंजेक्शन लगवाने के लिए पहुंचे थे। ऐसे में सबसे अधिक चिंता बच्चों व बुजुर्गों को लेकर बनी हुई है।

शहर में शायद ही कोई ऐसा वार्ड हो जहां आपकों आवारा कुत्तों का झुंड घूमता हुआ न दिखाई दें। शहर के लालपानी, गाड़ीघाट, मानपुर, ध्रुवपुर, निंबूचौड़, झंडीचौड, मवाकोट, आमपड़ाव सहित विभिन्न वार्डों में आवारा कुत्तों ने 35 लोगों को काट डाला। इन दिनों शहर में आवारा कुत्तों का आतंक बना हुआ है। आवारा कुत्ते छोटे बच्चों व महिलाओं सहित राह चलते लोगों को

नगर निगम क्षेत्र के वार्ड में घूमत आवारा कुत्ते

निशाना बना रहे हैं। इन दिनों राजकीय बेस चिकित्सालय में आवारा कुत्तों के काटने के मामले आने से एंटी रैबीज इंजेक्शन विभाग में लंबी कतार देखी जा सकती है। क्षेत्रवासियों ने नगर निगम प्रशासन से आवारा कुत्तों के आतंक से निजात दिलाने की मांग की है। कहा कि आए दिन आवारा कुत्ते झुंड के रूप में सड़कों पर घूमते हुए दिखाई दे रहे है।

केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल ने ग्रामीणों से किया संवाद

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : प्रखंड द्वारीखाल के अंतर्गत ग्राम पंचायत हथनूड़ में जल अर्पण दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय पेयजल मंत्री सीआर पाटिल ने ग्रामीणों से संवाद कर जल जीवन मिशन के बारे में जानकारी ली।

कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक रेनू बिष्ट व ग्राम प्रधान गीता चौहान ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। साथ ही मंदिर परिसर में स्थित जल स्रोतों का पूजन कर उन्हें कलावा बांधकर संरक्षण का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय पेयजल मंत्री सीआर पाटिल ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से ग्राम प्रधान गीता चौहान, बृजमोहन सिंह, उर्मिला देवी, सतीश सिंह व स्कूली छात्रों से संवाद कर जल जीवन मिशन से मिलने वाले लाभों की जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि घर-घर जल पहुंचने से उनके दैनिक जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है व समय की बचत हुई है।

कार्यक्रम में जल संस्थान के अधिशासी अभियंता अभिषेक कुमार वर्मा ने ग्राम प्रधान को पेयजल योजना से संबंधित हस्ताक्षरित प्रति सौंपते हुए योजना की जानकारी दी। क्षेत्रीय विधायक रेनू बिष्ट ने कहा कि जल संरक्षण आज केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता बन चुका है।

कहा कि जल जीवन मिशन के माध्यम से हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है, जिससे विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं और बच्चों को राहत मिली है। उन्होंने लोगों से जल का दुरुपयोग न करने व वर्षा जल संचयन अपनाने की अपील की। पेयजल व स्वच्छता निदेशक प्रदीप सिंह ने कहा कि जल संरक्षण एक गंभीर वैश्विक चुनौती है और इसके लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। कहा कि जल जीवन मिशन के साथ-साथ जल स्रोतों के संरक्षण पर विशेष ध्यान देना होगा। मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत ने कहा कि जनपद में जल जीवन मिशन के तहत योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। साथ ही जल संरक्षण को लेकर जन जागरुकता अभियान भी चलाए जा रहे है, ताकि लोग जल के महत्व को समझे और इसे बचाने में अपनी भागीदारी निभाएं। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी चतर सिंह चौहान, जल जीवन मिशन के अधीक्षण अभियंता मो. मीशम, जल संस्थान अधीक्षण अभियंता प्रवीण सैनी, खंड विकास अधिकारी जयकृत सिंह बिष्ट, तहसीलदार वैभव जोशी मौजूद रहे।

मर्म चिकित्सा योग की सहचर पद्धति : प्रो. जोशी

श्रीनगर गढ़वाल : मर्म चिकित्सा से असाध्य रोगों का उपचार संभव है। इससे 40 वर्ष पूर्व पोलियोग्रस्त हुए व्यक्ति को भी स्वस्थ किया जा सकता है। यह बातें उत्तराखंड आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति और मर्म विशेषज्ञ प्रो. सुनील कुमार जोशी ने कहीं। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर में चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए प्रो. सुनील कुमार जोशी ने कहा कि मर्म चिकित्सा योग की सहचर पद्धति है। आज के परिप्रेक्ष्य में यह अत्यंत प्रासंगिक और लाभकारी सिद्ध हो रही है। यही कारण है कि देश के करीब 12 प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में इसे पाठ्यक्रम के रूप में पढ़ाया जा रहा है। कोरोना काल का उदाहरण देते हुए प्रो. जोशी ने बताया कि जब आधुनिक चिकित्सा पद्धतियां बेअसर साबित हो रही थीं तब प्राणायाम, आयुर्वेदिक काढ़ा और मसालों के पारंपरिक ज्ञान ने ही मानवता की रक्षा की। परिसर निदेशक प्रो. पीवीबी सुब्रह्मण्यम ने कहा कि आगामी सत्र से विश्वविद्यालय के योग विज्ञान के स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में मर्म चिकित्सा को शामिल करने का प्रयास किया जाएगा।

गैस आपूर्ति सुचारू रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रही केंद्र सरकार : सीएम

मुख्यमंत्री ने रेस्टोरेंट में पहुंच लिया गैस आपूर्ति का जायजा

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गढ़ी कैंट क्षेत्र में एक रेस्टोरेंट में पहुंच कर, रसोई गैस आपूर्ति का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री ने सभी होटल, रेस्टोरेंट संचालकों से कहा कि अभी गैस का बहुत अधिक संकट नहीं है, फिर भी आने वाले दिनों में यदि जरूरत पड़ी तो देशवासियों को इस बार भी कोरोनाकाल की तरह एकजुटता के साथ इस चुनौती का सामना करना होगा।

मुख्यमंत्री ने रेस्टोरेंट संचालक से गैस आपूर्ति के बारे में पूछा, इस दौरान रेस्टोरेंट संचालक ने कहा कि सप्लाई में थोड़ा कमी तो आई है, लेकिन फिलहाल गैस लगातार मिल रही है। रेस्टोरेंट संचालक ने बताया कि वो गैस की खपत कम करने के लिए तंदूर का अधिक इस्तेमाल कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने इस पहल को सराहते हुए, प्रशासन को वैकल्पिक ऊर्जा के लिए जरूरी प्रबंध करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी गैस की आपूर्ति हो रही, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार आपूर्ति सुचारू रखने के लिए पूरा प्रयास कर रही है। उन्होंने सभी होटल, रेस्टोरेंट संचालकों के साथ ही आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो देश एकजुटता से इस चुनौती का सामना करेगा। जिस तरह कोरोना काल में देश ने एकजुटता का परिचय दिया था, उसी तरह का धैर्य का परिचय इस बार भी जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गैस के विकल्प के तौर पर इडक्शन सहित अन्य विकल्पों का प्रयोग किया जा सकता है। सरकार हर तरह से लोगों की मदद करने के लिए तैयार है। (एजेंसी)

स्वयं सेवियों को बताया एनएसएस का महत्व

आयोजित शिविर में भाग लेते स्वयं सेवी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भक्त दर्शन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जयरीखाल में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर का समापन हो गया। इस दौरान स्वयं सेवियों को एनएसएस के महत्व के बारे में बताया गया। कहा कि एनएसएस हमें बेहतर समाज सेवा की सीख देता है।

राजकीय गांधी अभिनव आवासीय विद्यालय में शिविरि का आयोजन किया गया था। अंतिम दिन महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. एसपी मधवाल, जीआईसी लैंसडाउन जयहरीखाल की प्रधानाचार्य राजेश्वरी धस्माना, विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य विकास चंद्र ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. अजय रावत ने शिविर के बारे में बताया। कहा कि एनएसएस में मिली जानकारियों को हमें अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना चाहिए। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अर्चना नौटियाल ने सात दिनों के दौरान आयोजित गतिविधियों और सामाजिक कार्यों की विस्तृत आख्या प्रस्तुत की।

इस मौके पर डा. मानसी वत्स, डॉ. अभिषेक कुकरेती, डॉ. शिप्रा शर्मा, डॉ. उमेश ध्यानी, डॉ. वरूण कुमार, सुमन कुकरेती, दुर्गा रजक, वन्दना ध्यानी, नेहा शर्मा, वसीम अहमद, डा. पवनिका चन्दोला, डा. मोहन कुकरेती आदि उपस्थित रहे।

अनियमित पेयजल आपूर्ति से लोग परेशान

श्रीनगर गढ़वाल : नगर क्षेत्र के कमलेश्वर, बागवान, केदार मोहल्ला, हनुमान मंदिर रोड, गुरुद्वारा रोड, ब्राह्मण मोहल्ला, नागेश्वर गली और अपर बाजार में पिछले एक सप्ताह से पेयजल आपूर्ति अनियमित है।

ऐसे में लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

दलबीर, हरीश पुरी, पितांबर और सुरेश मैठाणी ने बताया कि बीते एक सप्ताह से पानी की आपूर्ति सुचारु नहीं हो पा रही है। शहर में सामान्य रूप से दिन में दो बार पानी आता है, लेकिन इन दिनों कभी सुबह पानी आता है तो कभी शाम को सप्लाई बंद हो जाती है। एक समय में आ रहा पानी भी पर्याप्त नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया तो उन्हें आंदोलन करना पड़ेगा। वहीं जल संस्थान की कनिष्ठ अभियंता पूजा ने बताया कि हाल ही में हुई बारिश के बाद समस्या ज्यादा बढ़ गई है।

उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ का धरना जारी

उत्तरकाशी। उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ का वेतन विसंगति दूर करने, डिप्लोमा इंजीनियर्स की पदोन्नति के लिए समानांतर व्यवस्था सहित 27 सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना दूसरे दिन भी जारी रहा। उन्होंने मांगों का निस्तारण न होने तक धरना अनिश्चितकालीन रखने का निर्णय लिया। मंगलवार को दूसरे दिन भी बड़ी संख्या में डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ के सदस्य संघ भवन में एकत्रित हुए। उन्होंने अपनी 27 सूत्री मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ धरना दिया। साथ ही मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी की। संघ लंबे समय से वेतन विसंगति दूर करने, एसीपी का लाभ सहित 27 सूत्री मांग कर रहे हैं लेकिन सरकार उनकी मांगों की अनदेखी कर रही है। इस मौके पर लोकेंद्र बिष्ट, दरबान सिंह सरियाल, प्रदीप मटूड़ा, संदीप भट्ट, राखी खंडूड़ी, अरुण नौटियाल, सोनम मटूड़ा, आराधना मौजूद रही। संवाद नई टिहरी। डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ की अनिश्चितकालीन हड़ताल दूसरे भी जारी रही।

यमुना के मायके खरसाली गांव में धूमधाम से मनाई गई यमुना जयंती

उत्तरकाशी। मां यमुना के शीतकालीन प्रवास खरसाली गांव में यमुना जयंती उत्सव धूमधाम से मनाई गई। इस दौरान तीर्थ पुरोहितों ने यमुना घाट पर मां यमुना की विशेष पूजा-अर्चना की।

साथ ही दीपदान कर मां यमुना से देश दुनिया की खुशहाली की कामना की। मंगलवार को मां यमुना के शीतकालीन प्रवास खरसाली गांव में यमुना जयंती पर यमुना पुरोहित समाज की ओर से यमुना मंदिर से स्थानीय वाद्य यंत्रों के साथ यमुना नदी तट तक भव्य कलश यात्रा निकाली। वहां उन्होंने यमुना नदी तट पर पहुंचकर मां यमुना की जलधारा का विधिवत पूजन, अभिषेक व विशेष पूजा-अर्चना की। साथ ही यमुना नदी में दीपदान किया। वहीं, पूजा-अर्चना के दौरान मां यमुना से क्षेत्र व देश दुनिया की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की कामना की गई। इसके बाद वह यमुना मंदिर में पहुंचे जहां उन्होंने मां यमुना का अभिषेक कर भव्य आरती की।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी महाराजा अग्रसेन हिमालयन गढ़वाल विश्वविद्यालय के B.Lib.I.Sc की अंकतालिका जिसका अनुक्रमांक 2353210042 स्थान कोटद्वार में कहीं गुम हो गयी है, जो काफी ढूढ़ने पर भी नहीं मिल रही है।

मनमोहित पुत्र श्री राममेहर निवासी ग्राम नारा-4, हिसार, हरियाणा।

उत्तर रेलवे

निविदा आमंत्रण सूचना

विभाग	Electrical (THD)
टेंडर नं	T-24-THD-MB-25-26
कार्य का नाम	मुरादाबाद मंडल के 53 लेवल क्रॉसिंग गेटों पर ओवरहेड इक्विपमेंट (ओएचई) की व्यवस्था करना।
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक एवं समय	14.04.2026,15.00 hrs
कार्य की अनुमानित लागत	Rs.2,71,15,572.92/- (Including GST@ 18%)
बिड सिक्यूरिटी राशि	Rs. 2,85,600/-
निविदा प्रपत्र मूल्य	NIL
ऑफर की वैधता (दिन)	60 Days
कार्य पूरा करने की अवधि	06 Months
वेबसाइट एवं कार्यालय का पता	www.ireps.gov.in Divisional Railway Manager's Office, Northern Railway, Moradabad

निविदा सूचना सं.: Elect/TRD/MB/2025-26/TN-26 दिनांक: 23.03.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 987/26

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०

(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)

कॉरपोरेट आइडेंटिटी संख्या : U40109UR2001SGC025867/2356

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

निविदा विस्तारीकरण सूचना

इस खण्ड के द्वारा पूर्व में प्रकाशित निविदा संख्या- 11/2025-26, 12/2025-26, 13/2025-26 एवं 14/2025-26 जोकि दिनांक- 23/03/2026 को खोली जानी थी। अपरिहार्य कारणों से उक्त निविदाओं को क्रय करने की तिथि को दिनांक- 01/04/2026 को पूर्वाह्न 11:30 बजे तक विस्तारित की जाती है एवं उसी दिन उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख अधोहस्ताक्षरकर्ता अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा अपराह्न 15:30 बजे सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। अन्य नियम एवं शर्तें पूर्ववत् रहेंगी।

अधिशासी अभियन्ता, वि०वि० खण्ड, नैनीडांडा

पत्रांक : 315/विवितखं(नै)/एमआरि/टी-6 दिनांक : 23.04.2026

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें "राष्ट्र हित में बिजली बचायें" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

उत्तर रेलवे

निविदा आमंत्रण सूचना

क्र. सं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रू.)	कार्यालय का पता जहां से निविदा प्रपत्र जारी किया गया है	बिड सिक्योरिटी	कार्य के पूर्ण करने की समय अवधि	निविदा प्रपत्र जमा करने तथा खुलने की दिनांक व समय	वेबसाइट एवम कार्यालय का पता
1	18/वरिष्ठ मं.वि.अभि./ सा/मुरा./2025तीसरी कॉल:- मुरादाबाद डिवीजन के विभिन्न स्थानों पर पंप स्थापना और संबंधित सहायक उपकरणों की व्यवस्था के लिए विद्युत कार्य।	10722601.36 (जीएसटी सहित)	विद्युत शाखा, मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय, मुरादाबाद	203600.00	6 (छ:) माह	निविदायें दिनांक 15.04.2026 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन 15:00 बजे खोली जायेंगी।	वेबसाइट www.ireps.gov.in मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय मुरादाबाद।

सूचना संख्या : 09/2026 दिनांक: 24/03/2026 993/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

गढ़वाल विवि का 12वां दीक्षांत समारोह: 79 स्वर्ण पदक के साथ विजेताओं समेत 177 दीक्षार्थियों ने ली पी.एच.डी की उपाधि

हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय का 12वां दीक्षांत समारोह सम्पन्न

जयन्त प्रतिनिधि।

श्रीनगर : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय का 12वां दीक्षांत समारोह मंगलवार को धूमधाम से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर शिक्षा सत्र 2022-24 व सत्र 2023-25 के कुल 6806 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं। दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए 649 छात्रों ने पंजीकरण कराया, जिनमें 472 स्नातकोत्तर (पीजी) और 177 पीएचडी के छात्र-छात्राएं शामिल रहे। इस अवसर पर 79 मेधावी विद्यार्थियों को मंच पर गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया गया। स्वर्ण पदक के लिए 105 छात्र-छात्राएं पंजीकृत थे। इनमें 50 विद्यार्थी सत्र 2022-24 के व 55 छात्र–छात्राएं 2023-25 के शामिल रहे। दोनों सत्र में कुल 319 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधियां प्रदान की गई।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. योगेन्द्र नारायण, विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत ने दीप प्रज्ज्वल के साथ दीक्षांत समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि विश्वविद्यालय वर्तमान कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश के नेतृत्व में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है, जिसका प्रमाण विश्वविद्यालय की नैक ग्रेडिंग है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को और अधिक ऊर्जा के साथ काम करना होगा, जिससे राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय को पहचान मिल सके। कहा कि उत्तराखंड सरकार विश्वविद्यालय के लिए हर आवश्यक योजना में सहभागिता निभाएगी। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह में सांस्कृतिक वेशभूषा को अपनाना विश्वविद्यालय और शिक्षण संस्थानों के लिए उल्लेखनीय पहल है, जिससे संस्कृति और परम्परा के प्रति छात्र-छात्राओं की रूचि बढ़ेगी। कहा कि विश्वविद्यालय में सुविधाओं की पूर्ति के लिए सरकार तत्पर है और अप्रैल माह में देश के उच्च शिक्षामंत्री के साथ वे एनआईटी और गढ़वाल विश्वविद्यालय में कार्यक्रम सुनिश्चित करेगें। कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने कहा कि दीक्षांत शिक्षा का अंत नहीं है बल्कि यह नये जीवन की शुरूआत है। कहा कि डिग्री कोई कागज का टुकड़ा नहीं होता है बल्कि यह विद्यार्थी की ताकत होती है। कुलाधिपति डॉ. योगेन्द्र नारायण ने कहा कि छात्र-छात्राओं के लिए आवश्यक है कि वे अतीत की प्रज्ञा का अन्वेषण करें, वर्तमान के आधुनिक एवं पारंपरिक ज्ञान के आधार पर नावाचार एवं विकास के लिए प्रयासरत रहें और स्वयं को भविष्य के नए आयामों के लिए तैयार करें। इस अवसर महापौर श्रीमती आरती भण्डारी, एसएसबी के डीआईजी सुभाष चन्द्र नेगी, प्रो. रामशंकर दुबे पूर्व कुलपति गुजरात विश्वविद्यालय, प्रो. मंजुला राणा, प्रो. मोहन पंवार, प्रो. एनएस पंवार, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ओपी गुसांई, मुख्य नियंता प्रो. दीपक कुमार, प्रो. अजीत नेगी, प्रो. वाईपी रेवानी, प्रो. डीएस नेगी, प्रो. एमएम सेमवाल, चौरास परिसर निदेशक प्रो. राजेन्द्र सिंह नेगी, छात्रावास अधीक्षक डॉ. एसएस बिष्ट, जनसंपर्क अधिकारी आशुतोष बहुगुणा आदि मौजूद थे।

ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज व राष्ट्र के कल्याण के लिए

दीक्षांत समारोह में संचालन कर रहे डा. विश्वेश वाग्मी ने समारोह के मुख्य अतिथि देश के शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का संदेश पढ़ा, जिसमें शिक्षा मंत्री ने दीक्षार्थियों को भारत की विकास यात्रा में सहभागिता करने के लिए आवाह्न किया और आग्रह किया कि वे अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग केवल अपने निजी हितों तक सीमित न रखें बल्कि समाज और राष्ट्र के कल्याण के लिए भी करें।

शोध पत्रिका का किया विमोचन

गढ़वाल विवि के ग्रामीण एवं अभियन्त्रिकी विभाग की शोध पत्रिका माउंटेन रिसर्च के विशेषांक का दीक्षांत समारोह में विमोचन किया गया। कुलपति, कुलाधिपति व विशिष्ट अतिथि ने पत्रिका के प्रकाशन पर विभाग को बधाई दी।

संक्षिप्त समाचार

रामलीला ग्राउंड पार्किंग की टेंडर प्रक्रिया तकनीकी कारणों से निरस्त

रुद्रप्रयाग। नगर पंचायत अगस्त्यमुनि में रामलीला ग्राउंड पार्किंग के लिए जारी टेंडर प्रक्रिया तकनीकी कारणों से निरस्त कर दी गई है। वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए जारी इस टेंडर को पहले 20 मार्च को खोला जाना था और यह बाद में 23 मार्च को खोला गया। निविदाएं खोलने के बाद तीन प्रतिभागियों को तकनीकी मानकों के आधार पर अयोग्य घोषित किया गया जिस कारण आगे की प्रक्रिया नहीं बढ़ सकी। नगर पंचायत प्रशासन के अनुसार तकनीकी जांच में दस्तावेजों में निर्धारित मानकों का पालन नहीं होने के कारण तीन निविदाएं निरस्त की गईं। इसके बाद केवल एक वैध निविदा बचने की स्थिति बनी जिस पर नियमानुसार निर्णय लिया गया। एक अन्य प्रतिभागी दिनेश बैंजवाल ने दावा किया कि उनके दस्तावेजों में कोई कमी नहीं थी फिर भी टेंडर निरस्त किया गया। इस पर अगस्त्यमुनि नगर पंचायत की अधिशासी अधिकारी निकिता भट्ट ने बताया कि निविदा प्रक्रिया शासन के निर्धारित शर्तों के अनुसार संचालित की जाती है। यदि एक ही निविदा प्राप्त होती है या तकनीकी मूल्यांकन में एक ही निविदा योग्य पाई जाती है तो उसे सिंगल रिस्पॉन्स मानते हुए निविदा निरस्त कर पुनः आमंत्रित किया जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसी प्रावधान के तहत टेंडर को निरस्त किया गया है। नई निविदा के लिए विज्ञप्ति जारी कर दी गई है।

स्वास्थ्य शिविर में 265 पुलिसकर्मियों व उनके परिजनों की स्वास्थ्य जांच हुई

चमोली। कोतवाली में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में ग्राफिक ऐरा देहरादून के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने पुलिस के अधिकारियों, जवानों और उनके परिजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। डॉ० सूरज मिश्रा ने बताया कि शिविर में 70 लोगों की शुगर, ब्लड प्रेशर, खून की जांच, ईसीजी आदि स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवा दी गई। थाना निरीक्षक राकेश चंद्र भट्ट ने ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित यह स्वास्थ्य शिविर सराहनीय पहल है। इस मौके पर डॉ० सिद्धार्थ डिमरी, डॉ० सचिन पांडे, लैब टेक्नीशियन अमित रावत, संजय लखेड़ा, प्रशांत वशिष्ठ सहित पुलिस के अधिकारी और जवान मौजूद थे। वहीं सेवा इंटरनेशनल की सेवा आरोग्यम परियोजना के अंतर्गत विडोल केयर के सहयोग से शिविर का आयोजन कर 120 का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

आपदा के दौरान आंदोलन करने पर दर्ज मुकदमों से सभी बरी

चमोली। वर्ष 2023 में नगर में आई आपदा के दौरान आंदोलन करने पर पुलिस की ओर से आंदोलनकारियों पर मुकदमे दर्ज किए गए थे। अदालत ने मंगलवार को सभी 21 आंदोलनकारियों को मामले में दोषमुक्त कर दिया। आंदोलनकारियों ने इसे सत्य की जीत बताते हुए अदालत का आभार जताया। ज्योतिर्मठ में 2023 में भू–धंसाव के दौरान जोशीमठ बचाओ संघर्ष समिति ने कई दिनों तक आंदोलन किया था। नगर क्षेत्र से तहसील परिसर तक रैली निकलने के साथ मशाल जुलूस आदि कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसको लेकर ज्योतिर्मठ पुलिस ने विभिन्न आंदोलनकारियों पर मुकदमे दर्ज किए थे। जोशीमठ बचाओ संघर्ष समिति के संयोजक अतुल सती ने बताया कि आपदा के दौरान नगर को बचाने व प्रभावितों के हकहकूक की लड़ाई लड़ी गई। दो साल बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट ज्योतिर्मठ अनिल कुमार कोरी की अदालत ने सभी 21 आंदोलनकारियों को दोषमुक्त कर दिया है। कहा कि यह जन–संघर्ष की जीत है।

नगुण पट्टी के विकोल गांव आज भी सड़क से दूर

नई टिहरी। थौलधार ब्लॉक में नगुण पट्टी का विकोल गांव पांच किमी सड़क सुविधा से नहीं जुड़ पाया है जिससे ग्रामीणों को सड़क तक पहुंचने के लिए तीन किमी की पैदल दूरी नापनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वह 2017 से स्थानीय विधायक, लोनिवि, मुख्य सचिव और मुख्यमंत्री तक गुहार लगा चुके हैं लेकिन विकोल के लिए पांच किमी की स्वीकृति नहीं मिल पाई है। परेशान ग्रामीणों ने छह अप्रैल को नगुण–भवान–अलमस मोटर मार्ग पर चक्का जाम करने की चेतावनी दी है। थौलधार के पूर्व ज्येष्ठ प्रमुख गुलाब सिंह बरवाण ने डीएम को दिए ज्ञापन में बताया कि 12 सौ की आबादी वाला विकोल गांव सड़क सुविधा से वंचित है। गांव के लोग 2017 से लगातार संबंधित अधिकारियों, विधायक और सीएम से पत्राचार करते आ रहे हैं। लेकिन अभी तक सड़क की स्वीकृति नहीं मिल पाई है।

डिप्लोमा इंजीनियर्स ने तहसील में किया प्रदर्शन

चमोली। कनिष्ठ अभियंताओं को 2006 से 4600 का ग्रेड पे देने, पूरी सेवाकाल में पात्रता के अनुसार कम से कम तीन प्रोन्नति देने, एनपीएस या ओपीएस की जगह पुरानी पेंशन देने समेत 27 सूत्री मांगों के लिए डिप्लोमा इंजीनियर्स की अनिश्चितकालीन हड़ताल दूसरे दिन भी जारी रही। जिला मुख्यालय के साथ ही तहसील स्तर पर प्रदर्शन करते हुए उन्होंने सरकार से जल्द से जल्द मांगों पर उचित कार्रवाई की मांग की। मंगलवार को दूसरे दिन सभी डिप्लोमा इंजीनियर्स जिला मुख्यालय में लोनिवि के निरीक्षण भवन परिसर में धरने पर बैठे। हड़ताल से वित्तीय वर्ष के आखिरी दिनों में विभागों में कार्यों को पूरा करने की चुनौती खड़ी हो गई है। उन्होंने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जाती आंदोलन जारी रखेंगे। इस दौरान अंकित बिष्ट, शालिनी रावत, उत्तम सिंह, राजेश कुमार, मनोज सिंह, नरेंद्र सिंह, प्रहलाद सिंह, सोनम पंवार, अंजली डंगवाल, वंदना, वंदना सहित अन्य इंजीनियर मौजूद रहे। वहीं पोखरी में लोनिवि कार्यालय परिसर में धरना दिया गया। इस दौरान सहायक अभियंता ज्योति सिंह रावत, शुभम मलेठा, अंकित पंवार, अमित पंवार और सुनीत आदि मौजूद रहे।

हड़ताल से विभागों में ठप रहा काम

कर्णप्रयाग। 27 सूत्री मांगों को लेकर उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ की अनिश्चितकालीन हड़ताल दूसरे दिन भी जारी रही।

सिलिंडर के लिए गैस एजेंसी के बाहर लगी लंबी लाइन

रुद्रप्रयाग। आनंद इंडेन गैस एजेंसी में मंगलवार को गैस सिलिंडर लेने पहुंचे उपभोक्ताओं की भीड़ उमड़ी। सुबह से ही एजेंसी परिसर में लंबी कतारें लग गईं और कई लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा। मगर कुछ उपभोक्ताओं को बिना सिलिंडर लिए ही लौटना पड़ा। उपभोक्ता अजय अग्रवाल ने बताया कि पिछले कई दिनों से गैस सिलिंडर के लिए परेशान हैं।

रोज यहां आ रहे हैं लेकिन सिलिंडर नहीं मिल रहा है। इससे घर के कामकाज भी प्रभावित हो रहे हैं। वहीं इस संबंध में एजेंसी प्रबंधक रॉबिन चौधरी ने बताया कि गैस वितरण बुकिंग के अनुसार किया जा रहा है और सभी उपभोक्ताओं को क्रमवार सिलिंडर दिए जा रहे हैं। गैस आपूर्ति की गाड़ी जलई, सुरसाल, मचकंडी और कंडारा गांवों में भी भेजी गई है जहां स्थानीय स्तर पर वितरण किया जा रहा है।

एनएसएस शिविर के दूसरे दिन स्वयं सेवियों ने चलाया स्वच्छता अभियान

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं नमामि गंगे के संयुक्त तत्वाधान में सात दिवसीय विशेष शिविर दूसरे दिन स्वयं सेवियों ने स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान राजकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय हंशेश्वर महादेव के आसपास की झाड़ियों को साफ किया गया। साथ ही जल स्त्रोत के आसपास फैले कचरे को एकत्रित कर नष्ट किया गया। शिविर के बौद्धिक सत्र में पूर्व सैनिक बिशम्बर दत्त धस्माना ने स्वयं सेवियों को संबोधित करते हुए कहा कि अनुशासन से राष्ट्र की उन्नति होती है। हमें अनुशासित राष्ट्र के निर्माण में भूमिका निभानी चाहिए। अनुशासन के सहारे सफलता की सीढ़ियों को आसानी से चढ़ा जा सकता है। जीवन में अनुशासन आवश्यक है। अनुशासित व्यक्ति का जीवन उदाहरण बन जाता है। वह शारीरिक एवं मानसिक दोनों रूप से सबल होता है। अनुशासन ही सफलता की धुरी है। उन्होंने कहा कि अनुशासित जीवन जीने वाले व्यक्ति को अनेक प्रकार के लाभ होते है। अनुशासित व्यक्ति के अंदर साहस, धैर्य जैसे अनेक गुणों का विकास होता है। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विवेक रावत, सहायक प्रभारी प्रमिल्ला चौहान, मनोहर सिंह, नरेश चन्द्र उपस्थित रहे।

ग्राम स्यूण्ड में सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के निर्देशानुसार जनपद रुद्रप्रयाग के विकासखंड अगस्त्यमुनि अंतर्गत ग्राम स्यूण्ड में ह्लसरकार जनता के द्वारह्व कार्यक्रम जनता दरबार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप वन संरक्षक रुद्रप्रयाग रजत सुमन द्वारा की गई, जबकि जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी डॉ. दीपा तिलारा भी कार्यक्रम में उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम स्यूण्ड स्थित पंचायत भवन में ग्रामीणों ने क्रमवार अपनी समस्याएं एवं मांगें अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत कीं। ग्रामीणों ने क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु एएनएम केंद्र की स्थापना की मांग उठाई। साथ ही स्यूण्ड से धौलसारी मोटर मार्ग के शीघ्र निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया गया। इस पर उप वन संरक्षक रजत सुमन ने ग्रामीणों को अवगत कराया कि उक्त मोटर मार्ग के निर्माण हेतु जिला प्रशासन द्वारा प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जा रही है तथा उक्त मोटर मार्ग के निर्माण हेतु शासन स्तर पर भी कार्रवाई प्रमुखता से की जा रही है, जिससे इस मार्ग का शीघ्र निर्माण हो सके। इसके अतिरिक्त स्यूण्ड-सिल्ली-सतेरा मोटर मार्ग निर्माण के दौरान क्षतिग्रस्त हुए मंदिर के प्रतीक्षालय के पुनर्निर्माण की मांग भी ग्रामीणों द्वारा उठाई गई। साथ ही मार्ग निर्माण के दौरान प्रभावित खेतों, पेड़ों आदि के कटान के मुआवजे तथा डंपिंग जोन की व्यवस्था न होने की शिकायत भी दर्ज कराई गई। उप वन संरक्षक रजत सुमन ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए मौके से ही संबंधित अधिकारियों से वार्ता की तथा समस्याओं के शीघ्र समाधान हेतु संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु प्रार्थना पत्र अग्रसारित किए गए। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान स्यूण्ड प्रवीण सेमवाल, जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी डॉ. दीपा तिलारा, ग्राम पंचायत विकास अधिकारी प्रीति मेहरा सहित अन्य अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

रुद्रप्रयाग जिले के जाखोली में सैनिक स्कूल की जल्द हो स्थापना

रुद्रप्रयाग। बहुगुणा विचार मंच ने रुद्रप्रयाग जनपद के जखोली में स्वीकृत सैनिक स्कूल के जल्द संचालन शुरू करने की पैरवी की। मंच के पदाधिकारियों ने कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी से सैनिक स्कूल की स्थापना के लिए सरकार पर दबाव बनाने की मांग की। बहुगुणा विचार मंच के गढ़वाल/कुमाऊं संयोजक वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश पुजारी ने कहा कि वर्ष 2015 में केंद्र व उत्तराखंड सरकार ने संयुक्त रूप से जखोली क्षेत्र के दिग्धार बड़मा में सैनिक स्कूल स्थापित करने को हरी झंडी दी थी। मगर भूमि समतलीकरण के बाद कार्यदायी संस्था ने काम छोड़ दिया। तब से स्कूल का निर्माण ठप पड़ा है। हरीश पुजारी ने कहा कि यदि यहां सैनिक स्कूल स्थापित हो जाता है तो पहाड़ के बच्चों को भी एनडीए और आईएमए संस्थान में प्रवेश लेकर भारतीय सेना के तीनों अंगों के अधिकारी बन सकेंगे।

35 लोगों ने कराए एक्स–रे, 10 ने किया रक्तदान

रुद्रप्रयाग। विश्व टीबी दिवस पर जनपद में 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान की शुरुआत मंगलवार से शुरू हुई। अभियान के पहले दिन पीजी कॉलेज अगस्त्यमुनि समेत विभिन्न चिकित्सा इकाइयों में स्क्रीनिंग कैंप, गोष्ठी और रक्तदान शिविर आयोजित किए गए शिविर में 35 लोगों ने एक्स–रे जांच व 10 लोगों ने रक्तदान किया।

इस दौरान यस, वी केन इंड टीबी थीम पर महाविद्यालय अगस्त्यमुनि से अभियान की शुरुआत डॉ. रामप्रकाश ने की। मुख्य अतिथि नगर पंचायत अतिथि राजेंद्र प्रसाद गोस्वामी मौजूद रहे। इस दौरान टीबी मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने के लिए जनमानस से सहयोग देने की अपील की गई। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ० सीमा टेकचंदानी ने बताया कि दो सप्ताह से अधिक खांसी या बुखार होने पर तुरंत जांच करानी जरूरी है और इलाज बीच में नहीं छोड़ना है। नियमित उपचार से टीबी ठीक हो सकती है। मरीजों को उपचार के दौरान हर माह पोषण भत्ता भी दिया जाता है। अभियान के तहत जनपद के 50 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में भी टीबी स्क्रीनिंग और जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम प्रकाश, नगर पंचायत अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद गोस्वामी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सीमा टेकचंदानी, जिला क्षय अधिकारी डॉ. कुणाल, प्राचार्य डॉ. कैलाश चंद्र दुदपुड़ी, एनएसएस प्रभारी डॉ. विष्णु कुमार शर्मा आदि मौजूद रहे।

रजाखेत जखिंडा में भूमि पूजन के साथ शुरू हुआ शोध एवं प्रसार केंद्र का निर्माण

नई टिहरी। वीर चंद्र सिंह गढ़वाली उत्तराखंड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय भरसार का रजाखेत जखिंडा में शोध एवं प्रसार केंद्र परिसर का निर्माण कार्य शुरू हो गया। केंद्र बनने से छात्र–छात्राओं को कृषि, वानिकी संबंधित शोध कार्य करने में सुविधा मिलेगी। प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी ने 11.42 करोड़ की लागत से बनने वाले विवि के शोध व प्रसार केंद्र का भूमि पूजन किया। उन्होंने कहा कि परिसर क्षेत्र के युवाओं के लिए शिक्षा और प्रशिक्षण का एक महत्वपूर्ण केंद्र साबित होगा। इससे युवाओं को कृषि, बागवानी एवं उद्यानिकी के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक की जानकारी मिलेगी जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकेंगे। विवि के डीन डॉ. तारा सिंह मेहरा ने कहा कि परिसर प्रतापनगर क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। मार्च 2027 तक निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। जिला पंचायत उपाध्यक्ष मान सिंह रौतेला ने कहा कि विधायक नेगी क्षेत्र के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। यह प्रोजेक्ट भी उसी दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य विजयपाल रावत, आनंद सिंह, दिनेश लाल, मोहन कुमाईं, राय सिंह रावत, प्यारी देवी, भीम सिंह सजवाण, लक्ष्मी देवी, हंसा रमोला मौजूद रहे।

गोशाला तोड़े जाने पर भड़के लोग

श्रीनगर गढ़वाल : भक्तियाना में पराग डेयरी के पास श्रीकृष्णा गोधाम की गोशाला को तोड़े जाने पर स्थानीय लोगों ने आक्रोश जताया। गोशाला की संचालिका कुसुमलता मंमगाई ने आरोप लगाया कि गोशाला संचालन के लिए पूर्व में उन्होंने डीएम से स्वीकृति लेकर अस्थायी तौर पर गोशाला का निर्माण किया था। मगर बीते 20 मार्च को नगर निगम, प्रशासन व पराग डेयरी की शह पर कुछ लोगों ने उनकी गोशाला को तोड़ दिया। इससे यहां रह रहे गोवंश को बारिश में रहना पड़ा। कहा कि इनमें से कई गोवंश को खुरपका रोग भी है। ऐसे में उनके लिए रहने की व्यवस्था करना मुश्किल हो गया है। उन्होंने इस मामले में प्रशासन से उचित कार्रवाई करने की मांग की। (एजेंसी)

जनगणना के सफल संचालन हेतु कर्मचारियों को दिया प्रशिक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : जनगणना 2027 के सफल संचालन हेतु जनपद रुद्रप्रयाग में जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उक्त प्रशिक्षण बीते सोमवार से बृहस्पतिवार (25 मार्च) तक तहसील रुद्रप्रयाग में संचालित किया जा रहा है।

आयोजित प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर/मुख्य कृषि अधिकारी लोकेन्द्र बिष्ट, नितीश रावत (जनगणना निदेशालय देहरादून) द्वारा 16 फील्ड ट्रेनरों को जनगणना 2027 के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान जनगणना की प्रक्रिया, डेटा संकलन, प्रपत्रों का सही तरीके से उपयोग, डिजिटल माध्यमों के प्रयोग के साथ-साथ भवन गणना एवं व्यक्ति गणना के विभिन्न चरणों को विस्तार पूर्वक समझाया जा रहा है, ताकि प्रत्येक स्तर पर कार्य की सटीकता सुनिश्चित की जा सके। जनपद में जनगणना का प्रथम चरण (भवन गणना) 24 अप्रैल से 25 मई के मध्य संपन्न किया जाएगा, जिसके लिए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर मास्टर ट्रेनरों ने बताया कि जनपद प्रशासन द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपेक्षा की गई है कि वे इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें।

फिताड़ी गांव में आग लगने से आठ भवन सहित तीन गाय जली

उत्तरकाशी। मोरी विकासखंड के दूरस्थ फिताड़ी गांव में शॉर्ट सर्किट से भवन में अचानक आग लग गई। लकड़ी के भवन होने के कारण आग एक भवन से दूसरे में फैल गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते चार–पांच मंजिला भवन और चार अन्य भवन जलकर राख हो गए। साथ ही घरों के समीप बने छह अन्न के कोठार राशन सहित जल गए। घटना में तीन गाय भी जिंदा जल गई। बीती सोमवार देर रात फिताड़ी गांव में एक भवन में शॉर्ट सर्किट के कारण अचानक आग लग गई। घर में मौजूद लोगों ने बाहर भागकर जान बचाई। गांव में लकड़ी के भवन और घनी बस्ती होने के कारण आग तेजी से फैलने के कारण उसकी चपेट में आने से आठ भवन जल गए। इसमें चार–पांच मंजिला भवन भी शामिल हैं। आग के कारण चार भवनों में रहने वाले आठ परिवार बेघर हो गए। साथ ही अन्य चार घरों में आग लगने से चार परिवारों के मकान जल गए। घटना में घर में बंधी तीन गाय भी जल गई। सूचना मिलने पर मोरी से तहसील सहित पुलिस, एसडीआरएफ, अग्निशमन विभाग की टीम मौके लिए रवाना हुई।

बदलते मौसम चक्रके अनुरूप प्राकृतिक खेती करने के सिखाए गुर

नई टिहरी। वीर चंद्र सिंह गढ़वाली उत्तराखंड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय भरसार की पहल पर गजा में प्राकृतिक खेती एवं बदलते मौसम विषय पर किसान गोष्ठी आयोजित की गई। रानीचौरी शोध एवं प्रसार केंद्र के विशेषज्ञों ने किसानों को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के बीच टिकाऊ कृषि अपनाने पर जोर दिया। डॉ. सुमित चौधरी ने कहा कि मौसम में लगातार हो रहे बदलाव को समझना किसानों के लिए बेहद आवश्यक है। डॉ. सचिन ने कहा कि रासायनिक खेती से मिट्टी की गुणवत्ता पर विपरीत असर पड़ रहा है जबकि प्राकृतिक खेती से मिट्टी की सेहत सुधरती है। डॉ. शिखा ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के दौर में प्राकृतिक खेती किसानों के लिए टिकाऊ विकल्प बनकर उभर रही है।

श्रीगढ़ गांव से हटेगी पाइप लाइन, समझौते के बाद मरम्मत कार्य शुरू

चमोली। श्रीगढ़ गांव में पोखरी पेयजल योजना की पाइप लाइन का कार्य जल संस्थान और ग्रामीणों के बीच समझौते के बाद शुरू हो गया। समझौते के अनुसार जल संस्थान 10 जून तक पाइप लाइन को गांव से बाहर शिफ्ट कर देगा। पोखरी नगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की पेयजल लाइन का पाइप रविवार शाम को श्रीगढ़ गांव में फट गया था।

तेज प्रेशर के साथ निकला पानी लोगों के घरों में जा घुसा और पैदल रास्तों को नुकसान हुआ। सोमवार को जब जल संस्थान ने लाइन की मरम्मत का कार्य शुरू किया तो ग्रामीणों ने कार्य रुकवा दिया। ग्रामीणों ने सुरक्षा को देखते हुए पेयजल लाइन को गांव से बाहर शिफ्ट करने की मांग की। काफी प्रयासों के बाद भी सोमवार को मामला सुलझ नहीं पाया। मंगलवार को जल संस्थान के अधिकारियों की मौजूदगी में ग्रामीणों के साथ बैठक हुई और ग्रामीणों के साथ समझौता किया गया। इसके बाद जल संस्थान ने लाइन मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया। अवर अभियंता मनमोहन सिंह राणा ने बताया कि समझौते के बाद कार्य तेजी से किया जा रहा है। जल्द आपूर्ति सुचारु कर दी जाएगी। वार्ता के दौरान जल संस्थान के अधीक्षण अभियंता सुशील कुमार सैनी, मधु देवी, सरिता देवी, सौरभ बर्त्वाल, रमेश सिंह बर्त्वाल आदि मौजूद रहे।

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

—सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382–222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com